सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 315 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 29 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

भाजपा नेता की हत्याः हमलावरों ने चाकू से किए ताबड़तोड़ प्रहार

बरेली। रक्षाबंधन की रात सुभाषनगर क्षेत्र के बंसीनगला में पुरानी रंजिश की वजह से भाजपा मणिनाथ मंडल (ओबीसी मोर्चा) के उपाध्यक्ष सचिन कश्यप की चाकू से मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार रात करीब 12 बजे घर के पास बगिया में हमलावरों ने सचिन को घेर लिया और गले समेत शरीर पर कई जगह चाकू से वार किए। घायल सचिन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। मौके पर पहुंचे परिवार के लोग उन्हें निजी अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुभाषनगर थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नवोदय अस्पताल में लगी आग, नवजात को लेकर भागे

बरेली। नवोदय अस्पताल में शनिवार सुबह आग लग गई। आग की लपटें देखकर मरीजों और तीमारदारों में दहशत फैल गई। लोग नवजात बच्?चों को लेकर बिल्डिंग से बाहर भागने लगे। पुलिस ने बताया कि अस्?पताल की चौथी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर फायर ब्रिगेड ने पूरी तरह से काबू पा लिया है। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। स्थिति सामान्?य है। चौथे मंजिल पर इत्?तेफाक से कोई मरीज नहीं था। हालांकि नीचे की मंजिलों पर मौजूद मरीजों को सुरक्षित दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है।

नोएडा में स्वाइन फ्लू के 192 मामले मिले

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 192 मरीज सामने आ चुके हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के लिए इमरजेंसी एडवाइजरी जारी की है। वहीं, जिले में डेंगू के मामलों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है और अब तक 48 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को निर्देश दिया है कि स्वाइन फ्लू और डेंगू के संदिग्ध मरीजों की पहचान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए।

40 फीट गड्ढे में समा गया स्वामी नारायण मंदिर

प्रयागराज। शुक्रवार की रात करीबी 11 बजे जार्ज टाउन स्थित स्वामी नारायण मंदिर का बड़ा हिस्सा तेज आवाज के साथ गड्ढे में समा गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई क्योंकि स्वामी नारायण मंदिर के 12 कमरों के तीन मंजिला हिस्सा में कोई श्रद्धालु या भक्त मौजूद नहीं था। भव्य मंदिर के साथ ही इसमें धर्मशाला एवं अतिथि गृह भी बना हुआ है। मंदिर परिसर के बगल में 3 से 4 महीने से निर्माण कार्य चल रहा है। यहां लगभग 40 फीट गहरा बड़ा गड्ढा खोदा गया था। लगातार बारिश की वजह से उसमें पानी भर गया, जिससे मंदिर की नींव में भी पानी भर गया और एक बड़ा भर भराकर ढह गया।

नेपाल आपदा : छत्तीसगढ़ के 9 लोगों की स्थिति सामने आई, 2 लापता और पांच लौट रहे रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर सरकार ने बढ़ाई निगरानी, आपदा में अब तक 633 लोगों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से बने गंभीर हालात के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां गए प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा को लेकर निगरानी और राहत प्रयास तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार नेपाल में मौजूद छत्तीसगढ़ के नागरिकों की लगातार जानकारी जुटा रही है। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक प्रदेश से जुड़े 9 नागरिकों की स्थिति का पता चला है। इनमें 2 के परिजनों से संपर्क स्थापित हो चुका है, रायपुर के 5 नागरिक सुरक्षित हैं और वापस लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बिलासपुर और सुरगुजा से जुड़े 2 नागरिकों के लापता होने की सूचना है।

रायपुर के महादेव घाट निवासी मोनिका यादव 22 अगस्त को नेपाल गई थीं। नेपाल में बाढ़ के बाद उनके लापता होने और संपर्क टूटने की सूचना सामने आई थी। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार मोनिका यादव के परिजनों से संपर्क स्थापित हो गया है। उनकी स्थिति को लेकर संबंधित स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है। बिलासपुर की 65 वर्षीय मंजू राय चौधरी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गई थीं। उनके संबंध में भी अब परिजनों से संपर्क स्थापित हो गया है। प्रशासन उनके संबंध में उपलब्ध सूचनाओं का सत्यापन और आवश्यक समन्वय कर रहा है।

बिलासपुर की प्रियंका और सुरगुजा की डॉ. मीना अब भी लापता

बिलासपुर निवासी 39 वर्षीय प्रियंका चौधरी के नेपाल में लापता होने की सूचना है। वे फिनलैंड की नागरिक हैं। उनके परिजनों से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रशासन संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है और उनकी सुरक्षित तलाश के प्रयास जारी हैं। सुरगुजा निवासी डॉ. मीना गुप्ता, जो यूनाइटेड किंगडम की नागरिक हैं, भी नेपाल में लापता हैं। उनका अंतिम ज्ञात स्थान रसुवागढ़ी इमिग्रेशन कार्यालय, नेपाल-चीन सीमा बताया गया है। उनकी स्थिति की जानकारी जुटाने के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है।

रायपुर के 5 नागरिक सुरक्षित

रायपुर के माना क्षेत्र के दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, नारायण सेन, यतेंद्र प्रकाशी और दिनेश सिंह ठाकुर के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है। पांचों नागरिक 21 अगस्त को नेपाल गए थे और अब रायपुर लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार उपलब्ध करा रही सहायता

आपदा के बीच राज्य सरकार नेपाल में मौजूद छत्तीसगढ़ के नागरिकों की जानकारी जुटाने के साथ उनके परिजनों को भी आवश्यक सहयोग उपलब्ध करा रही है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के माध्यम से सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान किया जा रहा है। सरकार नेपाल प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियों के साथ भी समन्वय बनाए हुए है। राज्य सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि नेपाल गए छत्तीसगढ़ के किसी नागरिक के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित नागरिकों और उनके परिवारों की मदद के प्रयास किए जा रहे हैं।

नेपाल में अब भी 320 भारतीय लापता

नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद अब तक 633 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 2,500 लोग लापता हैं। इनमें 320 भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, करीब 400 भारतीय अभी तिब्बत में फंसे हुए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में अब तक 626 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। नेपाल सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक लापता लोगों की संख्या 2426 है। प्रभावित इलाकों में तेजी से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है।

कुशीनगर में गंडक नदी से तीन शव बरामद

कुशीनगर जिले में गंडक नदी से शनिवार को तीन शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों को आशंका है कि ये शव नेपाल में बाढ़ के दौरान बहकर भारत पहुंचे। इससे पहले पड़ोसी महराजगंज जिले में भी चार अज्ञात शव मिले थे। प्रशासन शवों की पहचान के लिए नेपाल के अधिकारियों के संपर्क में है।

नेपाल ने भारत की मदद के लिए आभार जताया

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत के समर्थन के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से दिखाई गई चिंता, सहयोग और एकजुटता के लिए नेपाल सरकार और जनता की ओर से वह दिल से धन्यवाद।

दुर्ग में पुरानी रंजिश के चलते युवक की चाकू गोदकर हत्या

- पुलिस हिरासत में नाबालिग सहित दो संदेही

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चंडी मंदिर नया पारा रोड पर रक्षाबंधन का पर्व उस वक्त मातम में बदल गया, जब पुरानी रंजिश के कारण एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान धन्ना चौधरी के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग सहित दो संदेहियों को हिरासत में ले लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रक्षाबंधन की रात लगभग 10:30 बजे धन्ना चौधरी अपने दो दोस्तों के साथ किसी ढाबे से खाना खाकर मोटर साइकिल से घर लौट रहा था। जैसे ही वे चंडी मंदिर नया पारा रोड के पास पहुंचे, वहां पहले से खड़े कुछ युवकों के साथ उनकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि हमलावरों ने धारदार चाकू निकालकर धन्ना चौधरी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।अचानक हुए इस जानलेवा हमले को देखकर धन्ना के साथी डर के मारे दूर भाग गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमलावरों के जाने के बाद दोस्तों ने हिम्मत जुटाई और किसी तरह एक ई-रिक्शा का इंतजाम कर लहूलुहान हालत में धन्ना को जिला अस्पताल दुर्ग पहुंचाया। हालांकि, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस तत्काल जांच में जुट गई। सीएसपी दुर्ग हर्षित मेहर ने बताया कि घटना की मुख्य वजह पुरानी रंजिश है। इससे पूर्व 17 अगस्त को नागपंचमी के दिन भी धन्ना चौधरी का आरोपी पक्ष के साथ विवाद हुआ था, जिसकी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया।पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चंडी मंदिर क्षेत्र निवासी 19 वर्षीय कोमल ढीमर और एक विधि से संघर्षरत बालक (नाबालिग) को हिरासत में ले लिया है। पुलिस दोनों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पीएम मोदी सेंट्रल एशिया के दौरे पर रवाना

नईदिल्ली। पीएम मोदी शनिवार सुबह दो देशों के लिए दिल्ली से रवाना हुए। उनका यह चार दिन का दौरा होगा। पहले वे उज्बेकिस्तान जाएंगे फिर किर्गीजस्तान का दौरा करेंगे। पीएम चार साल बाद सेंट्रल एशिया के दौरे पर जा रहे हैं। वे किर्गीजस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एसएचओ) की 26वीं समिट में भी हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत कई नेताओं के साथ मुलाकात कर सकते हैं।

अनोखी मान्यता : बारिश के लिए पटेल को गधे पर बैठाकर पूरे गांव में घुमाया, ले गए श्मशान

इंदौर। मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में ग्रामीण अब बारिश के लिए अपनी पुरानी लोक मान्यताओं का सहारा ले रहे हैं। इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र के कोदरिया गांव से बारिश के लिए किया गया ऐसा ही एक अनोखा टोटका सामने आया है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

ग्रामीणों ने बारिश के लिए गांव के पटेल को गधे पर उल्टा बैठाया और इसके बाद उसे श्मशान घाट ले गए। यहां गधे पर सवार पटेल से अंत्येष्टि स्थल के चक्कर लगवाए गए। इस पूरी रस्म का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। कोदरिया गांव में लंबे समय से पर्याप्त बारिश नहीं होने से किसान चिंतित हैं। ग्रामीणों के मुताबिक बारिश नहीं होने से फसलों पर संकट मंडरा रहा है। ऐसे में बारिश के लिए गांव में एक पारंपरिक टोटका करने का फैसला लिया गया। इसके तहत गांव के पटेल को गधे पर उल्टा बैठाया गया। इसके बाद ग्रामीण उसे लेकर श्मशान घाट पहुंचे। वहां पटेल को गधे पर बैठाकर अंत्येष्टि स्थल और श्मशान परिसर के कई चक्कर लगवाए गए।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बारिश के लिए इस तरह की लोक परंपराओं और मान्यताओं का चलन रहा है। मान्यता है कि इस तरह की रस्म करने से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और बारिश होती है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस टोटके के बाद जल्द ही आसमान में बादल घिरेंगे

और इलाके में अच्छी बारिश होगी। किसानों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण है। बारिश में देरी का सीधा असर खेतों में खड़ी फसलों पर पड़ रहा है। पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसलें कमजोर पड़ने लगी हैं। इसी चिंता के बीच ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से यह रस्म निभाई। उनका कहना है कि जब बारिश नहीं हो रही तो पुरानी मान्यताओं के अनुसार टोटका आजमाने में कोई नुकसान नहीं है। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में ग्रामीणों को पटेल को गधे पर बैठाकर श्मशान की ओर ले जाते और वहां चक्कर लगवाते देखा जा सकता है। घटना ने एक बार फिर यह सवाल भी खड़ा किया है कि मौसम की अनिश्चितता और खेती पर बढ़ते संकट के बीच ग्रामीण किस तरह अपनी पारंपरिक मान्यताओं का सहारा लेते हैं।

महिला इंफ्लूएंसर का अपहरण, बदमाशों ने पेड़ से बांधकर जिंदा जलाया, हत्या का मामला दर्ज

पंजाब पुलिस ने मृत्यु पूर्व नहीं लिया बयान, बड़ी लापरवाही आई सामने

चंडीगढ़। पंजाबी इंफ्लूएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने अपहरण और हत्या का केस दर्ज किया है। मृतका की मां कांता देवी के बयान पर सेक्टर-34 थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

परिवार का आरोप है कि मंजीत कौर को दो जानकारों ने सेक्टर-34 स्थित शराब के ठेके के पास बुलाया और वहां से अगवा कर मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले गए। आरोप है कि दोनों ने उसे पेड़ से बांधकर आग लगा दी। घटना 3 जुलाई की देर रात की बताई जा रही है। गंभीर रूप से झुलसी मंजीत कौर को पहले मोरिंडा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे पीजीआई रेफर किया गया। इसके बाद उसका मोहाली के मैक्स अस्पताल में भी इलाज चला। 9 जुलाई को उसे पीजीआई में भर्ती कराया गया। करीब एक महीने बाद 5 अगस्त को उसे होश आया।

मामले में पंजाब पुलिस की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि मंजीत ने पीजीआई में इलाज के दौरान अपने बयान दर्ज कराने के लिए पुलिस को बुलाया था। पीजीआई चौकी ने खरड़ सदर थाना पुलिस को भी सूचना दी थी कि वह बयान देने की स्थिति में है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच अधिकारी को फोन पर सूचना दिए जाने के बावजूद वह अस्पताल नहीं पहुंचे। पीजीआई चौकी में इस संबंध में डीडीआर दर्ज होने की बात भी बात कही। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि 3 जुलाई की घटना के बाद करीब दो महीने तक पंजाब पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला क्यों दर्ज नहीं किया।

मौत के बाद दर्ज हुई एफआईआर

26 अगस्त को इलाज के दौरान मंजीत कौर की मौत हो गई। इसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने उसकी मां की शिकायत पर तुरंत अपहरण कर हत्या का मामला दर्ज किया। मां ने शुभी और पिंदा नाम के दो लोगों पर आरोप लगाया है। चंडीगढ़ पुलिस अब सेक्टर-34 और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मंजीत को किस वाहन से अगवा किया गया और घटना के पीछे की वजह क्या थी। टोल प्लाजा के कैमरों की भी जांच की जाएगी। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर ने कहा कि मां की शिकायत मिलते ही अपहरण और हत्या का केस दर्ज किया गया है। आरोपों की जांच जारी है और सीसीटीवी समेत सभी तथ्यों को खंगाला जा रहा है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नौकरियों से जोड़ने वाली शिक्षा बने प्राथमिकता

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं।

> “ देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता।

दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं। इसे दिशा देने में देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं आईआईटी व आईआईएम की बड़ी भूमिका हो सकती थी। याद रहे कि कौशल विकास का मतलब केवल एक सार्टिफिकेट हासिल करना नहीं है। देश को कौशल विकास से लैस युवाओं की जरूरत है। जो आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये अनिवार्य शर्त भी है। नीति-नियंताओं को इस मामले में चीन की औद्योगिक व तकनीकी क्रांति से जुड़ी नीतियों से सीखने की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि हमारे स्कूल-कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालयों तक में रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों को तरजीह दी जाए।

अमित शाह का दीर्घकालिक विजन

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के भीतर सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सामाजिक स्थिरता का मजबूत होना भी उतना ही आवश्यक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में खुफिया ब्यूरो के राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए इसी व्यापक दृष्टिकोण को सामने रखा। उनके संबोधन में तत्कालीन सुरक्षा चुनौतियों के साथ-साथ अगले 15 से 20 वर्षों में सामने आने वाले संभावित खतरों को पहचानने और उनसे पहले ही निपटने की रणनीति पर जोर दिया गया।

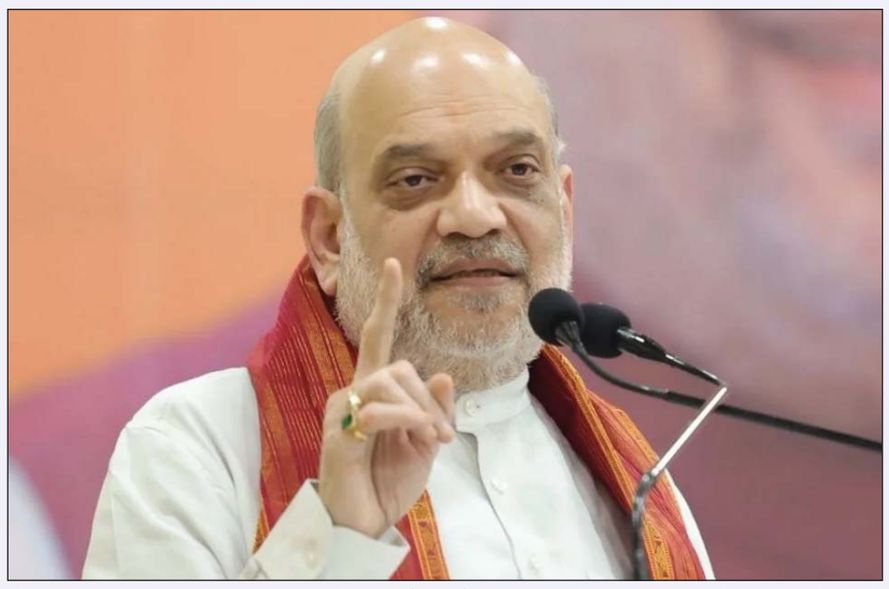

अमित शाह के अनुसार विकसित भारत की नींव मजबूत आंतरिक सुरक्षा पर टिकी है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी तेजी से आगे बढ़ सकती है जब वहां निवेश, उद्योग, व्यापार और नागरिक जीवन के लिए सुरक्षित वातावरण मौजूद हो। आतंकवाद, घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी, उग्रवाद, साइबर अपराध और सामाजिक अस्थिरता जैसी चुनौतियां केवल सुरक्षा का विषय नहीं हैं, बल्कि उनका सीधा असर आर्थिक विकास और सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है। गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सुरक्षा नीति केवल प्रतिक्रिया देने वाली नहीं होनी चाहिए। उनका संदेश स्पष्ट था कि भविष्य की चुनौतियों का अनुमान लगाकर पहले से तैयारी करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत के सुरक्षा इतिहास से भी यह सीख मिलती है कि कई समस्याएं शुरुआती दौर में ही पहचान ली जातीं तो उनका स्वरूप इतना व्यापक नहीं होता। मादक पदार्थों की तस्करी, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में लंबे समय तक चली अशांति जैसी चुनौतियों का उदाहरण देते हुए गृह मंत्री ने संकेत दिया कि भविष्य की सुरक्षा नीति में दूरदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण तत्व होनी चाहिए। किसी समस्या के गंभीर संकट बनने का इंतजार करने के बजाय उसे उसके शुरुआती चरण में ही रोकना अधिक प्रभावी और कम खर्चीला होता है।

उन्होंने देश के तीन प्रमुख आंतरिक सुरक्षा क्षेत्रों में मिली सफलता का भी उल्लेख किया। इस सफलता का श्रेय उन्होंने राज्य पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बीच बेहतर समन्वय को दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। देश की सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी हो सकती है जब केंद्र और राज्य एक साझा रणनीति के तहत काम करें। सीमा सुरक्षा भी इस रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पिछले आठ महीनों में केंद्र सरकार द्वारा सभी भू-सीमा वाले राज्यों के साथ विचार-विमर्श और चार स्तंभों वाले सीमा सुरक्षा ढांचे को साझा किए जाने की बात गृह मंत्री ने कही। इसका लक्ष्य अवैध घुसपैठ को रोकना और देश की सीमाओं को अधिक सुरक्षित बनाना है। घुसपैठ के मुद्दे को उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक और जनसांख्यिकीय संतुलन से भी जोड़ा।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान को लेकर भी अमित शाह ने केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को महत्वपूर्ण बताया। प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ कार्रवाई का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवादी नेटवर्क को केवल किसी एक संगठन पर कार्रवाई करके समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए वित्तीय नेटवर्क, भर्ती तंत्र, डिजिटल प्रचार, लॉजिस्टिक सहायता और जमीनी नेटवर्क-सभी पर एक साथ कार्रवाई जरूरी है।

इसी संदर्भ में उन्होंने 'प्रहार' रणनीति को केवल दस्तावेजों तक सीमित न रखकर सुरक्षा अभियानों का हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। आधुनिक आतंकवाद का स्वरूप लगातार बदल रहा है। आतंकवादी संगठन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड संचार और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसलिए पारंपरिक पुलिसिंग के साथ तकनीकी और वित्तीय खुफिया तंत्र को मजबूत करना आवश्यक हो गया है। मादक पदार्थों की तस्करी भी भारत के सामने तेजी से बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। ड्रग्स का कारोबार केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है। इससे संगठित अपराध, अवैध वित्तीय नेटवर्क, युवाओं में नशे की समस्या और कई मामलों में आतंकवाद के वित्तपोषण का खतरा भी जुड़ा हुआ है। गृह मंत्री ने नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 को राज्यों में जमीन पर लागू करने और 'डिटेक्ट, डिसरप्ट एंड डिस्ट्रॉय' यानी पहचान, नेटवर्क को बाधित करने और पूरी तरह नष्ट करने की रणनीति अपनाने का आह्वान किया।

आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीक की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। सीसीटीएनएस, आईसीजेएस, नैटग्रिड और नाफिस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को आपस में जोड़ने से सुरक्षा एजेंसियों के पास सूचनाओं का अधिक व्यापक नेटवर्क तैयार हो रहा है। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स और व्यवहार के पैटर्न का अध्ययन अपराध और आतंकवाद की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विशेष रूप से युवा पुलिस अधिकारियों को नई तकनीकों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करना इस बदलाव का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भविष्य का अपराधी तकनीक का इस्तेमाल करेगा तो सुरक्षा एजेंसियों को उससे एक कदम आगे रहना होगा। बड़े डेटा सेट का विश्लेषण, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, डिजिटल फॉरेंसिक और साइबर इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्र आने वाले वर्षों में पुलिसिंग की दिशा बदल सकते हैं।

आर्थिक अपराधियों और विदेश भाग चुके भगोड़ों को भारत वापस लाना भी आंतरिक सुरक्षा और कानून के शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गृह मंत्री के अनुसार 2019 से 2026 के बीच लगभग 274 भगोड़ों को प्रत्यर्पित या निर्वासित कर भारत लाया गया। इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि विदेश भाग जाना कानून से बचने की गारंटी नहीं हो सकता। वहीं, वैश्विक अस्थिरता ने सुरक्षा के नए आयाम पैदा किए हैं। ऊर्जा और संसाधनों की सुरक्षा, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, कट्टरपंथ का बढ़ना और साइबर दुष्प्रचार जैसे खतरे किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के संघर्षों तक दुनिया ने देखा है कि वैश्विक घटनाओं का प्रभाव ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, व्यापार और आंतरिक स्थिरता पर पड़ सकता है। ऐसे में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को केवल पारंपरिक सैन्य या पुलिस चुनौतियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। अपराध न्याय व्यवस्था में सुधार भी इस व्यापक सुरक्षा दृष्टिकोण का हिस्सा है। सरकार का लक्ष्य नए आपराधिक कानूनों को पूरी तरह लागू करना और न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है। यदि अपराध की जांच, अभियोजन और न्यायिक प्रक्रिया समयबद्ध होती है तो इससे कानून के प्रति नागरिकों का भरोसा मजबूत होगा और अपराधियों के लिए दंड से बचना कठिन होगा।

कुल मिलाकर अमित शाह का सुरक्षा विजन तत्कालीन समस्याओं से आगे जाकर भविष्य की चुनौतियों को पहचानने पर केंद्रित है। इसका मूल विचार यही है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल संकट पैदा होने के बाद सक्रिय न हो, बल्कि संभावित खतरे को पहले ही पहचानकर उसे समाप्त करने की क्षमता विकसित करे।

सुविधाओं के शहरों में घटती इंसानी जगह

डॉ. पी.के. बाजपेयी

एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुज़ुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाज़ार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है?

बढ़ता शहरीकरण सुविधाओं के लिहाज़ से बेहतर तो लगता है, लेकिन इसकी एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। बुज़ुर्गों के टहलने, बच्चों के खेलने, दिव्यांगजनों के बाधामुक्त आवागमन और महिलाओं व आम नागरिकों के लिए पैदल चलने, घूमने व बैठने की जगहें उत्तरोत्तर सिकुड़ती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, आए दिन बढ़ती दुर्घटनाओं और बीमारियों ने लोगों को अपने घरों तक सीमित रहने पर मजबूर कर दिया है। आज बच्चे खुले मैदानों में खेलने के बजाय मोबाइल गेम्स की तरफ उन्मुख हैं और महिलाएं स्क्रीन पर रील्स देखने में व्यस्त हो गई हैं। मोहल्ले की वे सड़कें, जो कभी बच्चों की किलकारियों, औरतों की बैठकों और बुज़ुर्गों की सांध्य-आवाजाही से गुलज़ार रहती थीं, आज मोटर वाहनों की चिल्ल-पों और अंधाधुंध दौड़-भाग से भयाक्रांत हो चुकी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून, 2026 के अपने फैसले में कहा कि 'तय फुटपाथों पर चलने का अधिकार एक बुनियादी अधिकार है', जो संविधान के अनुच्छेद 19(1)(द) के आने-जाने और जीवन की आज़ादी की संवैधानिक गारंटी से आता है। अत: 'पैदल चलने वालों के लिए ख़ास तौर पर दी गई जगह पर ट्रैफ़िक के बजाय पैदल यात्रियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।'

कोर्ट ने जहां एक ओर सुरक्षित फुटपाथ देने और उन्हें बनाए रखने की सरकारी अधिकारियों की ज़िम्मेदारी निर्धारित की, वहीं दूसरी ओर उन्हें चलने योग्य, सुरक्षित व बाधामुक्त बनाने पर भी ज़ोर दिया। यह फैसला शहरी नियोजन की इस बुनियादी सोच को चुनौती देता है कि सड़कें मुख्यत: गाड़ियों के लिए होती हैं। साथ ही पैदल चलने वालों को यातायात में बाधा की तरह देखा जाता है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, 2024 में 36,526 पैदल चलने वालों की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई, जो सड़क पर होने वाली कुल मौतों का 20.6 प्रतिशत है। इस तरह, हादसों से मरने वाले हर पांच में से एक व्यक्ति पैदल चलने वाला होता है।

अक्सर हम टूटे हुए फुटपाथ, पार्क की गई कारों, फुटपाथ पर चलती मोटरसाइकिलों, रोज़ी-रोटी कमाने की जद्दोजहद करने वाले रेहड़ी या खोमचे वालों, बिना ढके नालों और रास्ते के बीच में लगे बिजली के खंभों से दो-चार होते हैं, जिनसे फुटपाथ का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता है।

विदेशों में पैदल पथ, उनके दोनों ओर की हरित पट्टिकाएं, खेलते बच्चे और मज़े करते लोग शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यूरोपीय देशों में सड़कों को कारों की स्पीड के बजाय लोगों के हिसाब से डिज़ाइन किया जाता है। सुरक्षित पैदल चलने और साइकिल चलाने के नेटवर्क, ट्रैफिक-शांत पड़ोस और पैदल चलने वालों के लिए बने टाउन सेंटर ने सक्रिय आवाजाही को शहरी जीवन का एक ज़रूरी हिस्सा बना दिया है।

पेरिस का '15-मिनट का शहर' सिद्धांत ज़रूरी सेवाओं को पैदल या साइकिल की दूरी पर रखने की कोशिश करता है। शहर ने साइकिल चलाने के बुनियादी ढांचे को काफी बढ़ाया है और सैकड़ों पैदल चलने वाली स्कूल सड़कें बनाई हैं। इसका मक़सद गाड़ियों पर निर्भरता कम करना, हवा की गुणवत्ता सुधारना और रोज़ाना की शारीरिक गतिविधियों को शहरी जीवन का हिस्सा बनाना भी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुरक्षित पैदल चलने, शारीरिक सक्रियता, साफ हवा और सड़क सुरक्षा को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। अगर दुनिया की आबादी ज़्यादा शारीरिक रूप से सक्रिय हो, तो हर साल 4 से 5 मिलियन मौतों को रोका जा सकता है। इसलिए, सुरक्षित पैदल चलने की सहूलियत रोगों से बचाव का एक माध्यम बन जाती है। इससे ऊर्जा भी बचती है, ख़र्चा भी बचता है, प्रदूषण भी नहीं होता और सड़क पर जाम भी नहीं लगता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की पहल पर बैंगलोर में चर्च स्ट्रीट पर एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवंबर 2020 और अप्रैल 2021 के बीच सप्ताहांत में 750 मीटर के हिस्से को मोटर गाड़ियों के लिए बंद कर दिया गया और इसके नतीजे चौंकाने वाले थे। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान, आसपास के दुकानदारों का व्यवसाय बढ़ने के साथ-साथ हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ ही, पैदल चलने वालों की संख्या में औसतन 92 से 117 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। लोगों ने वाहनों के बजाय पैदल चलना और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करना शुरू किया। चर्च स्ट्रीट की सफलता यह बताती है कि जब लोगों को सुरक्षित और आकर्षक सार्वजनिक जगह मिलती है, तो वे उसका इस्तेमाल करते हैं।

शहर में वेंडिंग ज़ोन और पार्किंग स्थल नियत होने चाहिए, ताकि फुटपाथ पूरी तरह पैदल चलने वालों के लिए बचे रहें। यूटिलिटी पोल, ट्रांसफॉर्मर और दूसरे बुनियादी ढांचे से फुटपाथ पर रुकावट नहीं आनी चाहिए। एक अच्छे व्यवस्थित शहर की परख इस बात से होनी चाहिए कि क्या कोई बच्चा सुरक्षित रूप से स्कूल जा सकता है, क्या कोई बुज़ुर्ग सड़क पर उतरे बिना बाज़ार पहुंच सकता है, क्या व्हीलचेयर इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति बस स्टॉप तक पहुंच सकता है?

लेखक मानव विज्ञानी हैं।

'शोध लोकपाल' करे पौराणिक नुस्खों की जांच

दिनेश सी शर्मा

चीन ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए धार्मिक या विचारधारा-आधारित मान्यता को पुष्ट करने के बजाय विज्ञान-आधारित खोज का तरीका अपनाया है। आर्टेमिसिनिन की खोज इसका एक अच्छा उदाहरण है; यह एक मलेरिया-रोधी दवा है, जिसके लिए चीनी वैज्ञानिक तू यूयू को 2015 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था।

पिछले दिनों संसद में गोमूत्र को लेकर कुछ दिलचस्प टिप्पणियां की गईं। संदर्भ था, आईआईटी मद्रास के निदेशक वीझिनाथन कामाकोटी को प्रवेश परीक्षाओं में सुधार के लिए बनाए गए कार्यदल का सदस्य बनाना। इस विषय पर बहस के दौरान, कामाकोटी द्वारा गोमूत्र के उपयोग के समर्थन का अपरोक्ष ज़िक्र किया गया। बचाव में, सत्ताधारी पार्टी के कुछ सदस्यों ने गोमूत्र के कुछ गुणों के लिए मिले पेटेंट का हवाला दिया, यह साबित करने के लिए कि दावों का आधार वास्तव में वैज्ञानिक है।

पिछले साल जनवरी में, कामाकोटी ने एक सार्वजनिक सभा में दावा किया था कि गोमूत्र में 'फफूंदनाशक, जीवाणु-नाशक और सूजन कम करने वाले' गुण होते हैं, जिन्हें 'वैज्ञानिक रूप से सही' पाया जा चुका है। शिक्षा जगत के एक समूह ने कामाकोटी का समर्थन करते हुए कहा है कि गोमूत्र पर उनके विचारों को खारिज करना संविधान में निहित वैज्ञानिक सोच को कमज़ोर करने जैसा है, और उन्हें 'एक परिकल्पना प्रस्तुत करने और पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने' का अधिकार है। आईआईएम कलकत्ता के निदेशक ने भी कामाकोटी का बचाव किया है।

गोमूत्र और गोबर पर अनुसंधान कोई नई बात नहीं है। 1970 और 1980 के दशक में भी कुछ दावे किए गए थे और शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे, लेकिन वे हाशिए पर ही रहे। नई बात यह है कि पौराणिक-धार्मिक मान्यताओं को वैज्ञानिक रूप से सही साबित करने के लिए व्यवस्थित सरकारी प्रयासों के तहत ऐसे शोधों को आधिकारिक समर्थन मिल रहा है।

नतीजतन, व्यावसायिक पत्रिकाओं में गोमूत्र और गोबर के बारे में लेखों और समीक्षाओं की बाढ़ आ गई है, और कुछ दावों पर पेटेंट के लिए अर्जियां जमा करवाई गई हैं। एक ओर वैज्ञानिकों की पेशेवर संस्थाएं इस पर चुप्पी साधे हुए हैं, तो दूसरी तरफ ऐसे दावों को आईआईटी और आईआईएम के निदेशकों जैसे उच्च पदों पर बैठे लोगों का समर्थन मिल रहा है —जो ज़रूरी नहीं कि जैव-रासायनिकी, फार्माकोलॉजी या दवा-अनुसंधान के विशेषज्ञ हों।

पौराणिक विचारों और मान्यताओं को सही ठहराने के लिए वैज्ञानिक मान्यता गढ़ना कई कारणों से सही मायने में विज्ञान नहीं है। खोज का यह तरीका पूर्व-धारणा और अपनी बात को किसी भी तरह सही साबित करने की प्रवृत्ति से शुरू होता है, जिसमें इसे गलत साबित किए जाने की गुंजाइश नहीं रखी जाती। प्राचीन ग्रंथों और पारंपरिक ज्ञान में मानव शरीर, बीमारियों और इलाज का ज़िक्र ऐसी अस्पष्ट शब्दावली में किया गया है कि उन्हें किसी भी आधुनिक खोज या धारणा के हिसाब से तोड़ा-मरोड़ा या समझाया जा सकता है। अक्सर इस तरीके का इस्तेमाल यह दावा करने के लिए किया जाता है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी, स्टेम सेल ट्रीटमेंट, इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन और उपग्रह संचार जैसी उन्नत विधाएं मौजूद थीं।

गोमूत्र के मामले में भी पुष्टिकरण का यही ढंग अपनाने की कोशिश की जा रही है। गाय के मूत्र या गोबर में सूक्ष्म मात्रा में खनिजों और सक्रिय जैव-जीवाणुनाशक जैसे तत्वों का मिल जाना, उनके औषधीय गुणों का पक्का सबूत नहीं है, क्योंकि ठीक यही तत्व इंसानों और अन्य स्तनधारी जीवों (जैसे बैल, याक या हिरण) के मल-मूत्र में भी मिल सकते हैं। ज़्यादा से ज़्यादा, ऐसे शोध को छद्म-विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है, क्योंकि इसमें मूत्र की रासायनिक संरचना बताने के लिए कुछ वैज्ञानिक शब्दों का इस्तेमाल तो किया जाता है, लेकिन औषधीय फ़ायदों के दावों का आधार वैज्ञानिक नहीं होता; क्योंकि जो कुछ भी किया गया है, वह पेट्री डिश में और गाय के मूत्र के कुछ अर्क का इस्तेमाल करके किया गया है, न कि पूरे मूत्र का।

जब कोई शोध पूर्व-धारणा के साथ शुरू होती है, तो अक्सर नकारात्मक नतीजों को नज़रअंदाज़ या दबा दिया जाता है। हाल ही में सरकार ने दावा किया कि एक नया अध्ययन स्थापित करता है कि पपीते के पत्तों का अर्क 'कीमोथेरैपी से जुड़े कम प्लेटलेट काउंट के लिए एक सस्ता इलाज है'। यह परिणाम एक ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ। हालांकि, स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई आपत्तियों के बाद उक्त पत्रिका को नतीजों की दोबारा समीक्षा करनी पड़ी। विशेषज्ञों ने पाया कि अनुसंधानकर्ता ने उन मरीज़ों के मामलों को जानबूझकर छोड़ दिया था, जो ठीक नहीं हुए थे, ताकि जैविक अर्क ज़्यादा असरदार दिखे।

यही कुछ हल्दी के एक सक्रिय तत्व 'करक्यूमिन' के साथ भी है। इसे कैंसर समेत कई बीमारियों के इलाज में काम आने वाली एक चमत्कारी जड़ी-बूटी बताया गया है। हाल के सालों में पता चला है कि ये दावे संदिग्ध अनुसंधान पर आधारित हैं, भले ही वे अंतरराष्ट्रीय खोज पत्रिकाओं में छपे हों। अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं अमेरिकी खोजकर्ता भरत अग्रवाल के लिखे करक्यूमिन पर 30 से ज़्यादा शोधपत्र अब तक गलत डेटा, जाली तस्वीरों और हेरफेर किए गए आंकड़ों की वजह से वापस ले चुकी हैं।

1990 के दशक में, मुरादाबाद के खोजकर्ता आर.बी. सिंह ने इज़राइल और स्लोवाकिया के समकक्षों के साथ मिलकर, दिल की बीमारी बढ़ जाने पर 'इंडो-मेडिटेरेनियन डाइट' के फायदों की जांच और इसके नतीजे 'द लैंसेट' और 'ब्रिटिश मेडिकल जर्नल' में छपे। कुछ साल बाद, स्वतंत्र वैज्ञानिकों ने इन क्लिनिकल ट्रायल डेटा की सच्चाई पर सवाल उठाए। जब उनसे रॉ डेटा (मूल डेटा) उपलब्ध कराने के लिए कहा गया, तो सिंह ने दावा किया कि दीमक फाइलें चट कर गई हैं!

दरअसल, धारणा को सही साबित करने के ऐसे तरीकों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। यह अतार्किक है कि प्राचीन ग्रंथों में बताए गए प्राकृतिक इलाजों के लिए टॉक्सिसिटी टेस्ट (विषैलेपन की जांच) की ज़रूरत नहीं है। पौधों और जड़ी-बूटियों में मिट्टी में मौजूद भारी धातुएं और दूसरी अशुद्धियां हो सकती हैं, जिनसे लिवर या किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। पौधे में मौजूद सक्रिय तत्वों की जैव-उपलब्धता अलग-अलग होती है; यह इस बात पर निर्भर करती है कि उसे किन हालात में उगाया गया है। गाय के मूत्र के मामले में, भारतीय पशु अनुसंधान संस्थान के एक अध्ययन में यह नतीजा निकला है कि यह इंसानों के पीने लायक नहीं है, क्योंकि इसमें हानिकारक जीवाणु होते हैं।

चीन ने पारंपरिक चिकित्सा के लिए धार्मिक या विचारधारा-आधारित मान्यता को पुष्ट करने के बजाय विज्ञान-आधारित खोज का तरीका अपनाया है। आर्टेमिसिनिन की खोज इसका एक अच्छा उदाहरण है; यह एक मलेरिया-रोधी दवा है, जिसके लिए चीनी वैज्ञानिक तू यूयू को 2015 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था। इस काम में, पुराने ग्रंथों में बताई गई बातों को आलोचना से परे सत्य मानने के बजाय, उन्हें सुराग की तरह इस्तेमाल किया गया और 400 से ज़्यादा पौधों की जांच की गई। तत्व विशेष को अलग कर, उसे दवा के रूप में विकसित करने से पहले लगभग आधी सदी तक कड़े प्रयोग किए गए। इस खोज को पुराने ग्रंथों में लिखी बातों की पुष्टि के तौर पर नहीं, बल्कि समय-सिद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया के सबूत के तौर पर प्रस्तुत किया गया।

गोमूत्र और गोबर के बारे में अधूरे दावों का महिमामंडन करने के बजाय, भारतीय शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों को छद्म-विज्ञान के खिलाफ लड़ना चाहिए और मिथ्यों को बेनकाब करना चाहिए। विज्ञान के लिए फंड देने वाली एजेंसियों को भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देने के नाम पर संदिग्ध संस्थानों और शोधकर्ताओं के अध्ययनों को प्रायोजित करना बंद करना चाहिए।

विज्ञान अकादमियों को शोध में गड़बड़ी करने की बढ़ती प्रवृत्ति की जांच करने के लिए एक तरीका विकसित करने की ज़रूरत है। अगर सरकार कोई कदम नहीं उठाती है, तो अकादमियों को मिलकर शोध की सुचिता सुनिश्चित करने वाला एक स्वतंत्र कार्यालय बनाना चाहिए, जो एक प्रकार का 'शोध लोकपाल' हो। चुनाव विज्ञान और छद्म-विज्ञान के बीच है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के टिप्पणीकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

17 सहकारी समितियों के लिए भूमि आबंटित, किसानों को मिलेगा लाभ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा जारी अधिसूचना के तहत दुर्ग जिले की 31 नए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन किया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा इनमें से 17 प्राथमिक कृषि साख समितियों के लिए भूमि आबंटन की स्वीकृति दी गई है। जानकारी के अनुसार धमधा ब्लॉक के सेवा सहकारी समिति पथरिया के लिए 1 हेक्टेयर, पुरदा 1.20 हेक्टेयर, अरसी 1.34 हेक्टेयर, दारगांव 1 हेक्टेयर, हिरेतरा 1.25 हेक्टेयर, भांठाकोकड़ी 0.69 हेक्टेयर, नंदवाय 1.20 हेक्टेयर, मलपुरीकला 2.50 हेक्टेयर और सेमरिया समिति के लिए 1.20 हेक्टेयर भूमि आबंटित की गई है। पाटन ब्लॉक के अरसनारा समिति को 1.20 हेक्टेयर, अरमरी खुर्द 1 हेक्टेयर, ढौर 2 हेक्टेयर, बोरवाय 2 हेक्टेयर, महकाखुर्द 0.594 हेक्टेयर अशोगा के लिए 1.20 हेक्टेयर भूमि आबंटित की गई है। दुर्ग ब्लॉक के कातरो समिति के लिए 1.03 हेक्टेयर, दमोदा समिति के लिए 0.90 हेक्टेयर भूमि आबंटित की है।

शिक्षा मित्र सोसायटी ने जरूरतमंद छात्रों को दी छात्रवृत्ति

भिलाई। डॉ. भीमराव अम्बेडकर के पे बेक टू दि सोसायटी के संदेश को चरितार्थ करते हुए डॉ. अम्बेडकर शिक्षा मित्र सोसाइटी द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओ को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग देने का क्रम लगातार जारी है। इसी कड़ी में डॉ. आम्बेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर 6 में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों मे अध्ययनरत जरुरतमंद विद्यार्थियों अदिति रामटेके मेडिकल कॉलेज उज्जैन को 25 हजार, प्रवीण मेश्राम आईआईटी भिलाई को 25 हजार, नूतन अंबादे दिल्ली विवि को 25 हजार, विपुल बागड़े बीकाम को 15 रुपए का चेक भंतेजी के हाथों दिया गया। भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के अध्यक्ष विनोद वासनिक ने कहा कि सोसायटी का यह कार्य प्रशंसनीय है। सोसायटी के अध्यक्ष अजय गणवीर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाकर बच्चों को आगे बढ़ाना ही हमारा लक्ष्य है। सुभाष बंसोडकर, संजय मेश्राम, रंजू खोब्रागढ़े, जालेन्द्र उके, किरण सुखदेवे, सिंधु वैद्य उपस्थित थे।

डॉ. संजय दानी की दसवीं पुस्तक का विमोचन 30 को

भिलाई। डॉ. संजय दानी की नई पुस्तक गुस्ताख़ी माफ का विमोचन आईएमए भवन, मोहन नगर, दुर्ग में 30 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे होगा। यह दानी की दसवीं पुस्तक है और 16 कहानियों वाला कहानी-संग्रह है। समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर के साहित्यकार संजय अलंग (आईएएस) रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रवि श्रीवास्तव करेंगे।

जनभागीदारी से बढ़ा जल संचयन, 2726 सोक पिट और 66,500 ट्रेंच

■ कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में दुर्ग में जल संरक्षण को मिली रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बारिश की हर बूंद को बचाने के लिए जिला में जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में कलेक्टर अभिजीत सिंह के मागदर्शन में जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी से नई सुरक्षा मिली है। ग्रामीण इलाकों में झील गहरीकरण, चेकडेम, डबरी, जल अवशोषण ट्रेंच, सोक पिट, कोयला नाली और कुआं जैसे विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। रोजगार एवं विकास द्वारा विकसित भारत-जी राम जी योजना से जुड़े श्रमिकों और महिलाओं की भागीदारी ने जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण की पहल की है।

अभियान के तहत बारिश के पानी को गांव में ही रोक और जमीन पर खोदकर देखा जा रहा है। पुराने तालाबों का गहराईकरण कर उनकी जलधारण क्षमता तैयार की जा रही है। चेकडेम और डबरियों के माध्यम से वर्षा जल को रोककर सरकार तक पानी पाइपलाइन की व्यवस्था मजबूत की जा रही है। जहां पर आवासीय और सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए जमीन में नामांकन के लिए सोक पिट तैयार किए जा रहे हैं।

स्वप्रेरणा से 2,726 सोख पिट से भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा'

जिले के क्षेत्रीय प्रोजेक्ट में अब तक 2,726 सोक पिट का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें दुर्ग में 727, धमधा में 1,096 और पाटन में 903 सोक पिट शामिल हैं। इनमें वर्षा एवं घरेलू उपयोग के पानी को जमीन में उतारकर भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

66,500 ट्रेंच से बारिश के पानी को जमीन पर दर्ज किया गया

जल संरक्षण की दिशा में खाई का निर्माण भी बड़े पैमाने पर किया गया है। जिले में कुल 66,500 ट्रेंच का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें जिला पंचायत दुर्ग में 24,000, धमधा में 27,500 और पाटन में 15,000 ट्रेंच शामिल हैं। ट्रेंच वर्षा जल के बहाव को धीमा कर उसे जमीन में रिसने का अवसर देते हैं। इससे जल संरक्षण के साथ भू-जल पुनर्भरण और मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

एक बारिश में 66,500 वाट से 13.3 करोड़ लीटर पानी जमीन में समाने की क्षमता

वर्षा जल को जमीन में सूचीबद्ध करने के लिए जल अवशोषण ट्रेंच भी प्रभावशाली माध्यम बन रहे हैं। एक ग्राम पंचायत क्षेत्र में 66,500 वाट का निर्माण किया गया है। प्रत्येक वाट की लंबाई 2 मीटर, चौड़ाई 1 मीटर और गहराई 1 मीटर है तथा इसकी जल अवशोषण क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस तरह 66,500 वाट की कुल जल अवशोषण क्षमता करीब 1,33,000 घन मीटर यानी 13.3 करोड़ लीटर है। एक अच्छी वर्षा में इतनी मात्रा में पानी को जमीन में समेटने की क्षमता तैयार हो गई है। इस बारिश के पानी के बहाव को कम करने के साथ भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा।

विकसित भारत-जी राम जी योजना से जल संरक्षण के कार्यों को गति

विकसित भारत-जी राम जी योजना से जुड़े श्रमिकों के तहत भी जल संरक्षण की दिशा में विभिन्न कार्य कार्यकर्ता जा रहे हैं। इनमें 246 तालाब निर्माण, 71 तालाब जीर्णोद्धार, 142 तालाब गहरीकरण, 28 तालाब निर्माण और 14 तालाबों के रिसाइकिलिंग कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से वर्षा जल संरक्षण, जल विक्रेता व्यवस्था एवं भू-जल पुनर्भरण को लेकर बैठक की अपेक्षा है।

नवा तरिया से बन रहे नया जलस्रोत

112 नवा तरिया अभियान के तहत तालाब गहरीकरण और डबरी निर्माण को भी प्राथमिकता दी गई है। जिले में 30 डबरी निर्माण कार्य किये गये हैं। इनमें दुर्ग जिले में 7, धमधा में 18 और पाटन में 5 डबरी शामिल हैं। इसके साथ ही अमृत सरोवर और अन्य जल अनुबंधों के निर्माण एवं गहरीकरण के कार्य भी जारी हैं।

खेत और ज़मीन दोनों को फायदा

जल संरक्षण का सीधा लाभ खेती और ग्रामीण उत्पादकों से मिलने की उम्मीद है। तालाबों और होटलों में पानी की बढ़ती मात्रा से सींच सुविधा मजबूत होगी। जल और खाई के माध्यम से भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भविष्य में किसानों के लिए समुद्र तट के जल क्षेत्र की संभावनाएं बेहतर हो सकेंगी। बारिश के कारण पानी का बहाव कम होने से मिट्टी के कटाव पर भी असर पड़ेगा। इस तरह की जल संरक्षण संरचनाएं खेत, मिट्टी और भू-जल-तीनों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

जनभागीदारी निर्माण अभियान की ताकत

अभियान की सबसे बड़ी विशेषताएँ और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है। जल संरक्षण को केवल सरकारी निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रखा गया है, इसे आईएसओ जिम्मेदारी से जोड़ा गया है। अपने ग्रामीण गांव की जरूरत के मुताबिक जल स्तर के निर्माण और संरक्षण में सहयोग कर रहे हैं। इससे जल संरक्षण के प्रति जागरूकता, विकास के साथ भविष्य में पानी सुरक्षित रखने की सामूहिक सोच भी मजबूत हो रही है।

हर छोड़े जाने का संकल्प, जल-सुरक्षित की ओर कदम

जिले में जल संरक्षण कार्य का उद्देश्य केवल वर्तमान में पूर्ण करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए जल संरक्षण को सुरक्षित करना है। तालाब, डबरी, चेकडेम, ट्रेंच, वाट और सोक पिट जैसी झीलों के माध्यम से वर्षा जल को अधिक से अधिक मात्रा में रोकने और भू-जल रिचार्ज करने का प्रयास किया जा रहा है। 66,500 वाट की 13.3 करोड़ लीटर तक पानी सोखने की क्षमता, 66,500 ट्रे और 2,72 इंच 6 सोख पिट जल संरक्षण के सामूहिक प्रयास की तस्वीरें सामने हैं। जनभागीदारी से आगे बढ़ने का यह अभियान श्हर बूंद अनमोलश् के संदेश को जमीन पर साकार करने के लिए दुर्ग जिले को जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

सेंट्रल जेल परिसर में राखी बांधने पहुंची बहनों के बीच पुलिस का साइबर जागृति अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाने के उद्देश्य से केंद्रीय जेल परिसर दुर्ग में व्यापक साइबर जागृति अभियान संचालित किया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर केंद्रीय जेल परिसर दुर्ग में निरुद्ध बंदियों से मिलने एवं उन्हें राखी बांधने के लिए उनके परिजन बड़ी संख्या में पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 4,000 परिजन उपस्थित रहे। दुर्ग पुलिस द्वारा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही उपस्थित लोगों के बीच साइबर जागृति अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं साइबर टीम द्वारा उपस्थित परिजनों को वर्तमान समय में होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल एवं संदेश, संदिग्ध लिंक, ओटीपी साझा करने तथा डिजिटल माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में सरल भाषा में जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने एवं सतर्कता बरतने के लिए जागरूक किया गया।

ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, लिंक, ओटीपी तथा साइबर अपराध से बचाव के संबंध में दी गई आवश्यक जानकारी

साइबर जागरूकता अभियान

दुर्ग पुलिस द्वारा बताया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी, पासवर्ड अथवा अन्य संवेदनशील डिजिटल जानकारी साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा ऑनलाइन ठगी की घटना होने पर बिना देरी किए पुलिस को सूचना दें। उपस्थित परिजनों को साइबर अपराधों से बचाव के लिए स्वयं जागरूक रहने के साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

जागरूकता अभियान में इनकी भूमिका रही सराहनीय

उक्त अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर शोभराज अग्रवाल, उप निरीक्षक संकल्प राय, साइबर टीम, थाना प्रभारी प्रमोद रुसिया पद्मनाभपूर, उप निरीक्षक चंद्रशेखर सोनी प्रभारी अंजोरा सहित पुलिस स्टाफ द्वारा सक्रिय सहभागिता करते हुए सुरक्षा व्यवस्था एवं साइबर जागरूकता अभियान संचालित किया गया। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्क रहें और किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम, ओटीपी, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

बीएसएफ जवानों की कलाई पर बहनों ने बांधा रक्षा-सूत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर रिसाली स्थित सामरिक मुख्यालय (विशेष-संक्रिया), बीएसएफ छत्तीसगढ़ में स्नेह, सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक एवं महिला संगठनों से जुड़ी बहनों ने बीएसएफ के अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर उनके साहस, समर्पण एवं राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल की पत्नी रजनी बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ विशिष्ट अतिथियों के रूप में दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, दिनेश सिंह, तृप्ति चंद्राकर, स्वीटी कौशिक, विनिता मनीष पांडे, मानसी गुलाटी, आरोग्य भारती, आशाबहन जी ब्रह्माकुमारीज भिलाई केंद्र उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बहनों ने बीएसएफके अधिकारियों एवं जवानों को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी और उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा सुरक्षित एवं सफल जीवन की मंगलकामना की।

जवानों ने भी बहनों के इस आत्मीय स्नेह और सम्मान को अत्यंत श्रद्धा एवं भावनात्मक आत्मीयता के साथ स्वीकार किया। बीएसएफके अधिकारियों एवं जवानों ने इस पावन अवसर पर बहनों के स्नेह, आशीर्वाद और विश्वास के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्र की सुरक्षा, एकता और अखंडता के लिए सदैव पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प दोहराया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सामरिक मुख्यालय परिसर में देशभक्ति, पारिवारिक आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। बहनों द्वारा जवानों को बांधा गया रक्षा-सूत्र केवल एक पारंपरिक धागा नहीं, बल्कि देश के रक्षकों और समाज के बीच अटूट विश्वास, सम्मान और आत्मीय संबंध का सशक्त प्रतीक बन गया।

खेल राष्ट्र निर्माण और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम- सांसद बघेल

■ आईआईटी भिलाई में हुआ 'खेलों इंडिया संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

■ प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' को किया सम्बोधित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रीय खेल दिवस प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी एवं देश के गौरव मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस आईआईटी भिलाई में 'खेलों इंडिया संवाद' खेल की बात पीएम मोदी के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' को संबोधित करते हुए देशभर के युवाओं को सम्बोधित किया। उन्होंने खेलों के महत्व, खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और राष्ट्र निर्माण में खेलों की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम दुर्ग सांसद श्री विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस दौरान एसडीएम श्री महेश राजपूत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई डायरेक्टर श्री राजीव प्रकाश, यूथ आइकन सुयश पाण्डे, बास्केटबॉल खिलाड़ी रोहित शर्मा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 'मेरा युवा भारत' द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य देश के युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोड़ना, उनकी आकांक्षाओं को साझा करना और विकसित भारत के निर्माण में उनके विचारों का योगदान सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान पूर्व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी ने मेजर ध्यानचंद के योगदान, अपने शुरुआती संघर्षों और खिलाड़ियों के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निरंतर समर्थन का उल्लेख करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। मेजर ध्यानचंद ने अपनी प्रतिभा और देशभक्ति से भारत का गौरव बढ़ाया। सांसद श्री बघेल अपने पूराने दिनों को याद करते हुए बताया कि वे तीन बार राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी खेल चुके हैं। उन्होंने बताया कि उस समय खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं बेहद सीमित थीं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को ट्रेनों के जनरल डिब्बों में, यहां तक कि टॉयलेट के पास चादर बिछाकर भी यात्रा करनी पड़ती थी। इसके बावजूद खिलाड़ियों में देश के लिए खेलने और बेहतर प्रदर्शन करने का जुनून बना रहता था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री स्वयं फोन पर बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाते हैं। जीत के बाद बधाई देना और हार के बाद संवेदनशीलता के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना उनकी कार्यशैली की विशेषता है। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे भिलाई के युवा बास्केटबॉल खिलाड़ी रोहित शर्मा सहित अन्य होनहार खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज देश अनेक आंतरिक और बाहरी चुनौतियों के बीच आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की सीख देता है।

कार्यक्रम के पश्चात युवा संवाद का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें खेल इकोसिस्टम में सुधार, 2036 ओलंपिक की तैयारी, युवा नेतृत्व का निर्माण विकसित भारत के लिए सशक्तिकरण, नशा मुक्त युवा अभियान विषयों पर चर्चा की गई। युवाओं से उनके सुझाव एवं विचार क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त किए गए। यह पहल युवाओं को खेल, नेतृत्व, कौशल विकास एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के साथ-साथ भारत के विकसित एवं सशक्त भविष्य के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को माय भारत पोर्टल पर पंजीकृत करवाया गया एवं विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के तहत क्विज़ मे भाग दिलवाया गया और सभी युवाओं को माय भारत पोर्टल से जुड़ कर राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर आईआईटी के डायरेक्टर राजीव प्रकाश ने भी अपने संबोधन में खेलों को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने खेलो इंडिया जैसी पहल की सराहना करते हुए युवाओं से अधिक से अधिक खेलों से जुड़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

महतारी वंदन योजना से आसान हुई बच्चों की शिक्षा

बस्तर। महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक सहयोग का माध्यम बनने के साथ उन्हें परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आगे बढ़ने का संबल दे रही है। बस्तर जिले की तोकापाल निवासी श्रीमती रैबारी बघेल महतारी वंदन योजना से प्राप्त सहायता राशि का उपयोग घरेलू जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं। वहीं, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बिहान समूह से जुड़कर वनोपज संग्रहण एवं साग-सब्जी उत्पादन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं।

श्रीमती रैबारी बताती हैं कि वह बिहान समूह की सदस्य महिलाओं के साथ मिलकर वनोपज संग्रहण तथा साग-सब्जी उत्पादन का कार्य करती हैं। इस कार्य से उन्हें अपने घर के कामकाज के साथ रोजगार का अवसर मिला है और परिवार की आय में भी अतिरिक्त सहयोग हो रहा है। मेहनत से अर्जित आय में से वह नियमित रूप से कुछ राशि बैंक में बचत करती हैं, ताकि भविष्य में किसी जरूरत या मुश्किल समय में यह बचत परिवार के काम आ सके।

रैबारी का कहना है कि महतारी वंदन योजना की सहायता राशि ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने में काफी मदद की है। इससे बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सुविधा मिलती है। रक्षाबंधन के पहले महतारी वंदन योजना की सहायता राशि मिलने पर श्रीमती रैबारी बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। यह सहायता उनके लिए एक भाई का बहनों को आशीर्वाद देने के साथ-साथ सम्मान का प्रतीक है।

पार्वती ने महतारी वंदन की राशि से पूरा किया सिलाई मशीन खरीदने का सपना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ-साथ आत्मनिर्भरता की नई राह खोल रही है। योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग महिलाएं घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ बचत और स्वरोजगार के लिए भी कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरक कहानी बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम मेटावाड़ा निवासी श्रीमती पार्वती बघेल की है, जिन्होंने महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि की छोटी-छोटी बचत कर सिलाई मशीन खरीदी और अब घर बैठे ग्रामीणों के कपड़े सिलाई कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं।

श्रीमती पार्वती बघेल बताती हैं कि उनका आठ सदस्यीय परिवार सात एकड़ पुश्तैनी कृषि भूमि पर खेती-किसानी कर जीवन यापन करता है। पति के साथ वह भी खेती के कार्यों में हाथ बंटाती हैं। इसके साथ ही घर में ब्लाउज, पेटीकोट सहित अन्य कपड़ों की सिलाई का काम करती हैं। पहले सिलाई के लिए पर्याप्त सुविधा नहीं थी, लेकिन नियमित बचत से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी। अब गांव के

लोग अपने कपड़े सिलाई के लिए उनके घर लेकर आते हैं, जिससे उन्हें घर के कामकाज के साथ अतिरिक्त आमदनी का जरिया भी मिल गया है।

पार्वती कहती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए सिर्फ घरेलू जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इसने उन्हें बचत करने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया है। वह हर महीने प्राप्त सहायता राशि में से अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने के बाद कुछ राशि बचाने का प्रयास करती हैं। उनकी इच्छा है कि यह बचत भविष्य में उनकी छोटी बेटी की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के काम आए। उन्होंने बताया कि खेती-किसानी परिवार की मुख्य आय का साधन है, लेकिन सिलाई कार्य से होने वाली अतिरिक्त आमदनी से छोटी-छोटी घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सुविधा होती है।

रक्षाबंधन से पहले राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना की सहायता राशि प्रदान किए जाने पर पार्वती ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह पहल बड़े भाई के रूप में उनके स्नेह और आशीर्वाद का एहसास कराती है।

मानसून : पिछले 10 सालों के औसत 850 के मुकाबले 100.8 फीसदी बरसे बादल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बारिश की स्थिति बेहद संतोषजनक बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2026 से 28 अगस्त 2026 तक राज्य में औसतन 855.9 मि.मी. बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि बीते 10 वर्षों के औसत 849.3 मि.मी. की तुलना में 100.8 प्रतिशत है। अकेले 28 अगस्त को ही प्रदेश भर में औसतन 6.4 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। राज्य के विभिन्न संभागों और जिलों में बारिश का वितरण काफी विविधतापूर्ण रहा है, जहाँ कुछ जिलों में रिकॉर्ड तोड़ वर्षा हुई है वहीं कुछ इलाकों में अब भी मानसून की गति थोड़ी धीमी बनी हुई है।

सरगुजा संभाग की बात करें तो बलरामपुर जिले में मानसून की सबसे अधिक मेहरबानी देखने को मिली है, जहाँ औसत की तुलना में 157.7 प्रतिशत यानी 1164.4 मि.मी. बारिश हो चुकी है और यहाँ आज भी सर्वाधिक 29.3 मि.मी. पानी बरसा। संभाग के अन्य जिलों जैसे सूरजपुर में 963.5 मि.मी. (109.6 प्रतिशत), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 920.0 मि.मी. (116.7 प्रतिशत), कोरिया में 702.3 मि.मी. (89.9 प्रतिशत) और जशपुर में 716.9

मि.मी. (86.9 प्रतिशत) बारिश दर्ज की गई है, जहाँ आज 16.9 मि.मी. पानी गिरा। वहीं सरगुजा जिला अब भी वर्षा के मामले में थोड़ा पीछे है, जहाँ अब तक औसत की केवल 77.1 प्रतिशत (504.4 मि.मी.) ही बारिश हुई है।

मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और बिलासपुर संभाग में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश में प्रतिशत के आधार पर सबसे अधिक 166.0 प्रतिशत बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दर्ज की गई है, जहाँ कुल 1088.5 मि.मी. पानी बरसा है। रायपुर जिले में 920.0 मि.मी. (130.7 प्रतिशत) और महासमुंद में 1017.9 मि.मी. (130.7 प्रतिशत) बारिश के साथ आंकड़े बेहद मजबूत हैं। इसी क्रम में गरियाबंद में 989.2 मि.मी. (120.4 प्रतिशत), बलौदाबाजार में 898.7 मि.मी. (114.4 प्रतिशत) तथा धमतरी जिले में 833.6 मि.मी. (101.5 प्रतिशत) बारिश हुई है। बिलासपुर संभाग में मुंगेली जिला 896.8 मि.मी. (120.5 प्रतिशत) और जांजगीर-चांपा 1025.7 मि.मी. (114.6 प्रतिशत) वर्षा के साथ आगे चल रहे हैं, जबकि बिलासपुर में 890.7 मि.मी. (109.2 प्रतिशत), सक्ती में 846.2 मि.मी. (105.8 प्रतिशत), कोरबा में 953.2 मि.मी. (105.0 प्रतिशत) तथा गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 831.2 मि.मी. (102.7 प्रतिशत) वर्षा दर्ज हुई है। कोरबा में आज भी 24.1 मि.मी. की अच्छी बारिश हुई, जबकि रायगढ़ जिला 891.2 मि.मी. (99.8 प्रतिशत) वर्षा के साथ सामान्य स्थिति के बेहद करीब है।

दुर्ग संभाग के मैदानी इलाकों में बारिश का मिला-जुला असर दिख रहा है। बालोद जिले में सामान्य से अधिक 844.6 मि.मी. (108.2 प्रतिशत) बारिश हो चुकी है, वहीं दुर्ग जिला 636.5 मि.मी. (100.4 प्रतिशत) के साथ बिल्कुल सामान्य स्तर पर बना हुआ है। राजनांदगांव 698.0 मि.मी. (99.3 प्रतिशत) और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई 583.5 मि.मी. (95.4 प्रतिशत) के साथ सामान्य के आंकड़े को छू रहे हैं। हालांकि कबीरधाम में 550.1 मि.मी. (85.6 प्रतिशत), बेमेतरा में 493.7 मि.मी. (78.2 प्रतिशत) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 689.3 मि.मी. (70.6 प्रतिशत) वर्षा के साथ स्थिति थोड़ी धीमी बनी हुई है।

दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग में नारायणपुर जिला 1260.9 मि.मी. (121.3 प्रतिशत) बारिश दर्ज कर पूरे संभाग में सबसे आगे है, जहाँ आज भी 21.5 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। दंतेवाड़ा जिले में 1063.2 मि.मी. (95.4 प्रतिशत) बारिश के साथ जल स्तर बेहतर है। बीजापुर में कुल वर्षा का आंकड़ा 1213.9 मि.मी. पहुँच चुका है जो औसत का 80.0 प्रतिशत है, वहीं सुकमा में 846.1 मि.मी. (72.3 प्रतिशत), कोण्डागांव में 758.9 मि.मी. (80.2 प्रतिशत) और बस्तर जिले में 837.3 मि.मी. (77.8 प्रतिशत) बारिश दर्ज की गई है।

राज्यपाल को ब्रह्मकुमारी बहनों, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेस इंडिया, स्काउट एवं गाइड ने बांधी राखी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर लोक भवन में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी की बहनों, एसओएस चिल्ड्रेन्स विलेजेस इंडिया के बच्चों, स्काउट एवं गाइड से जुड़े विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने राज्यपाल श्री डेका को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता एवं स्नेह के साथ मनाया।

राज्यपाल रमेन डेका ने सभी के स्नेहपूर्ण भाव के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। उन्होंने सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रक्षाबंधन उत्सव के इन भावुक पलों में राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थीं।

त्यौहार से पहले कविता को मिली महतारी वंदन की 31वीं किस्त

श्रीकंचनपथ समाचार

खैरागढ़। रक्षाबंधन के पर्व पर जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर स्नेह और विश्वास की राखी बांधने की तैयारी कर रही हैं, वहीं महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त ने ग्राम श्यामपुर की श्रीमती कविता देवांगन की त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया है। तहसील छुईखदान निवासी कविता के खाते में सहायता राशि पहुंचने से उन्हें अपनी जरूरतों और पर्व से जुड़े खर्चों की चिंता कुछ कम हुई है।

कविता देवांगन के लिए महतारी वंदन योजना की राशि महिलाओं को मिलने वाली ऐसी मदद है, जिसका वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार उपयोग कर सकती हैं। उनका कहना है कि महिलाओं के जीवन में कई ऐसी छोटी-छोटी जरूरतें होती हैं, जिनके लिए अलग से राशि जुटाना आसान नहीं होता। ऐसे समय में योजना के तहत मिलने वाली सहायता उपयोगी साबित होती है।

रक्षाबंधन के अवसर पर 31वीं किस्त मिलने से कविता ने इसे पर्व की खुशियों से जुड़ा सुखद संयोग बताया। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान घर में खरीदारी और

अन्य आवश्यकताओं पर खर्च बढ़ जाता है। ऐसे समय में खाते में राशि आने से उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने में सुविधा मिलती है और परिवार के साथ पर्व मनाने का उत्साह भी बढ़ता है।

कविता ने कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता ही नहीं मिल रही, बल्कि उन्हें अपनी आवश्यकताओं को लेकर निर्णय लेने का अवसर भी मिल रहा है। नियमित रूप से प्राप्त होने वाली राशि महिलाओं के लिए भरोसे का आधार बन रही है। इससे वे अपने छोटे-छोटे खर्चों को स्वयं संभालने में सक्षम हो रही हैं।

योजना की 31वीं किस्त मिलने पर कविता देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के मौके पर प्रदेश की बहनों को मिली यह सहायता सरकार की ओर से उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। कविता ने स्नेहपूर्वक विष्णु भैया का धन्यवाद करते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान और आर्थिक मजबूती के लिए किए जा रहे प्रयासों से उन्हें संबल मिल रहा है।

महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। ग्राम श्यामपुर की कविता देवांगन के लिए 31वीं किस्त ने रक्षाबंधन के पर्व में एक और खुशी जोड़ दी है। योजना की सहायता राशि उनके लिए जरूरत के समय मिलने वाला भरोसेमंद आर्थिक सहारा बन रही है।

पुहपुटरा की पती बाई ने सीएम विष्णु भैया के प्रति जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। लखनपुर विकासखंड ग्राम पंचायत पुहपुटरा की रहने वाली श्रीमती पती बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु भैया की सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत उनके खाते में हर माह 1,000 की राशि अंतरित की जाती है। इस राशि से वे अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदकर रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मना रहे हैं। पती बाई ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले

महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त खाते में आने से उन्हें विशेष खुशी हुई है। उनके लिए यह राशि रक्षाबंधन के अवसर पर मिले उपहार के समान है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए चलाई जा रही महतारी वंदन योजना से उन्हें नियमित रूप से सहायता मिल रही है। समय से राशि मिलने से वे अपने भाई के प्रति स्नेह और प्रेम के इस पर्व को खुशी के साथ मना पा रही हैं।

बहनों की तरक्की, परिवार की शान, विष्णु भैया का यही अभियान

मोहला। महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल का आधार बनकर उनके परिवार और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को नई दिशा दे रही है। योजना की 31वीं किस्त के रूप में एक हजार रुपये की राशि मिलने से मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम एकटकन्हार निवासी श्रीमती सुरेखा गनवीर के चेहरे पर खुशी खिल उठी है।

श्रीमती सुरेखा ने बताया कि वे महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपनी बेटी के बेहतर भविष्य के लिए कर रही हैं। वे राशि को सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करती हैं, जबकि शेष राशि का उपयोग समय-समय पर घर-परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में करती हैं। रक्षाबंधन से पहले योजना की राशि मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि 'विष्णु भैया' ने सितंबर की राशि अगस्त में देकर हम बहनों को रक्षाबंधन का उपहार दिया है। इससे हमारी खुशियां दोगुनी हो गई हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के साथ-साथ बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करने में भी मददगार साबित हो रही है। योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्रतिभा मिश्रा ने भाइयों के साथ-साथ विष्णु भैया के लिए भी खरीदी राखी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और अपनत्व का पर्व रक्षाबंधन इस वर्ष महतारी वंदन योजना से मिलने वाले आर्थिक संबल के कारण कई परिवारों के लिए और भी खास बन गया है। योजना की 31वीं किस्त त्योहार से पहले मिलने से महिलाओं को राखी, मिठाई और अन्य जरूरी सामान की खरीदारी में सहूलियत मिली है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम करजी सोहागा निवासी श्रीमती प्रतिभा मिश्रा के लिए भी इस बार रक्षाबंधन की खुशियां कुछ अलग हैं।

प्रतिभा बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है। सामान्य दिनों में यह राशि घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है, लेकिन रक्षाबंधन से पहले राशि मिलने से इस बार त्योहार की तैयारियां करना और भी आसान हो गया।

राशि प्राप्त होने के बाद प्रतिभा

ने सबसे पहले अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदी। उनके लिए यह केवल त्योहार की खरीदारी नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को प्रेम और उत्साह के साथ मनाने का अवसर है। इसी भावना के साथ उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के लिए भी एक राखी खरीदी है।

प्रतिभा के लिए योजना इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उन्हें अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार खर्च करने की स्वतंत्रता मिलती है। रक्षाबंधन जैसे पर्व पर समय से मिली सहायता ने उन्हें बिना आर्थिक दबाव के त्योहार की तैयारियां करने का अवसर दिया।

हेमलता ने जताया विष्णु भैया का आभार

खैरागढ़। महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त मिलने से खैरागढ़ तहसील के ग्राम पांडादाह निवासी श्रीमती हेमलता ढीमर के लिए रक्षाबंधन का पर्व और भी खास हो गया। रक्षाबंधन जैसे विशेष पर्व से पहले 31वीं किस्त की राशि मिलने से हेमलता के परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए विशेष महत्व रखती है। इससे वे अपनी जरूरत के अनुसार खर्च कर सकती हैं और परिवार के साथ रक्षाबंधन का पर्व उत्साहपूर्वक मना सकती हैं। हेमलता ने बताया कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता के साथ आत्मविश्वास और आर्थिक मजबूती भी मिल रही है। उनके लिए यह राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि अपने छोटे-छोटे निर्णय स्वयं लेने का अवसर भी है।

हेमलता ने कहा कि नियमित रूप से मिलने वाली सहायता से प्रदेश की माताओं और बहनों को अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने में सहयोग मिल रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। हेमलता जैसी हितग्राहियों के अनुभव इसकी पुष्टि करते हैं।

मोहला में दिखा अनूठा अंदाज, आवास हितग्राहियों को बांधा रक्षा सूत्र

मोहला। रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई-बहन के स्नेह और सुरक्षा के बंधन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में इसे विकास और जिम्मेदारी के संकल्प से जोड़कर एक अनूठी पहल की गई। जनपद पंचायत मोहला की सभी ग्राम पंचायतों में रक्षाबंधन पर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके अप्रारंभ एवं निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने की शपथ दिलाई गई।

ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में बिहान की दीदियों और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बिहान समूह की महिलाओं ने हितग्राहियों को रक्षा सूत्र बांधा और उनसे अपने अधूरे आवास को शीघ्र पूरा करने का संकल्प लिया। रक्षाबंधन के पवित्र अवसर पर बांधा गया यह रक्षा सूत्र केवल स्नेह का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि परिवार को सुरक्षित और पक्का आशियाना उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का भी प्रतीक बना। हितग्राहियों ने निर्धारित समय में आवास पूर्ण कर अपने 'पक्के घर' के सपने को साकार करने का संकल्प लिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मोहला सुश्री शुभांगी गुप्ता ने बताया कि यह अभिनव पहल रक्षाबंधन पर्व की भावनात्मक आत्मीयता को विकास कार्यों से जोड़ते हुए 'रक्षा सूत्र के साथ विकास का संकल्प' का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना केवल आवास निर्माण नहीं, बल्कि परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार देना है। इसलिए प्रत्येक हितग्राही अपने आवास को समय पर पूर्ण करे, यह सामूहिक जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम के दौरान बिहान की दीदियों ने प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों को आवास निर्माण जल्द पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आवास पूर्ण होने से परिवार को मिलने वाले लाभों और सुरक्षित पक्के घर के महत्व की जानकारी दी। ग्रामीणों ने भी इस पहल को उत्साहपूर्वक स्वीकार करते हुए कहा कि रक्षाबंधन पर बांधा गया रक्षा सूत्र उन्हें अपने घर को पूरा करने के संकल्प की याद दिलाता रहेगा।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

पारुल गुलाटी ने मुनव्वर फारुकी पर जताया भरोसा, बोलीं- उनकी आंखों में दिखी ईमानदारी

अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने 'द ट्रेटर्स' में अपने साथी प्रतियोगी मुनव्वर फारुकी के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने उन पर पूरा भरोसा किया था। पारुल के अनुसार, मुनव्वर की आंखों में उन्हें जो सहज और साफ-सुथरी ईमानदारी दिखाई दी, उसी वजह से उन्होंने उन पर विश्वास किया।

पारुल गुलाटी 'पी.ओ.डब्ल्यू.-बंदी युद्ध के' और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने बताया कि संदेह और धोखे पर आधारित प्रतियोगिता में किसी पर भरोसा करना आसान नहीं होता, लेकिन मुनव्वर के व्यवहार ने उन्हें भरोसा करने का कारण दिया।

पारुल ने प्रतियोगिता के एक महत्वपूर्ण दौर को याद करते हुए बताया कि मुनव्वर ने उस समय उनसे किया अपना वादा निभाया था। उनके अनुसार, मुनव्वर के इस व्यवहार ने उनके मन में उनके प्रति विश्वास को और मजबूत किया।

इसी अनुभव के बाद पारुल ने मुनव्वर को प्रतियोगिता के दौरान अपने बड़े भाई जैसा मानना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि 'द ट्रेटर्स' जैसे खेल में, जहां हर कदम पर शक और धोखे की स्थिति बनी रहती है, वहां किसी प्रतियोगी से ऐसा भरोसे का रिश्ता बनना काफी मुश्किल होता है।

'द ट्रेटर्स' से अलग पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'दोनाली' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह सीरीज वर्ष 1960 के दशक के चंबल क्षेत्र की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है।

सीरीज में पारुल के साथ अभिनेता दिव्येंदु और बरुण सोबती भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। चंबल के दौर और वहां की सामाजिक परिस्थितियों को कहानी का आधार बनाया गया है।

अभिनय के अलावा पारुल गुलाटी उद्यमिता के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। उनका अपना हेयर एक्सटेंशन ब्रांड है। अभिनय के साथ उन्होंने अपने व्यवसाय को भी सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है।

इसी बीच 'द ट्रेटर्स' का दूसरा सीजन भी शुरू हो चुका है। इस बार शो में 21 चर्चित प्रतियोगी एक-दूसरे के खिलाफ रणनीति और विश्वास की परीक्षा में उतरते नजर आ रहे हैं।

दूसरे सीजन में रिया चक्रवर्ती और मल्लिका शेरावत समेत मनोरंजन जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हैं। शो का आधार एक-दूसरे पर विश्वास, रणनीति, संदेह और धोखे के बीच सही निर्णय लेने की चुनौती है।

कॉफी विद करण सीजन 9 के पहले मेहमान होंगे सलमान खान, शो में अकेले करेंगे शिरकत

करण जौहर का लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण अपने 9वें सीजन को लेकर खूब चर्चा बटोर रहा है। फिलहाल तो शो की आधिकारिक प्रीमियर तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन खबर है कि यह अक्टूबर या नवंबर से टीवी पर दस्तक दे सकता है। ताजा अपडेट है कि शो के नए सीजन की शुरुआत सलमान खान के साथ में होगी। रिपोर्ट में बताया गया है कि अभिनेता इस शो में अकेले मेहमान बनकर शामिल होंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया कॉफी विद करण 9 में सलमान के शामिल होने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, सलमान ने प्रीमियर एपिसोड में करण जौहर के सामने अपनी उपस्थिति की पुष्टि कर दी है। अन्य विवरणों पर अभी बातचीत चल रही है, लेकिन वे इस बात पर सहमत हैं कि इस साल अभिनेता अकेले ही नजर आएंगे।

सूत्र ने बताया कि शो को लेकर तैयारी चल रही है। जैसे ही सबकुछ तय होगा, इसकी जानकारी दी जाएगी। कॉफी विद करण सीजन 9 का प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा, जिसकी स्ट्रीमिंग तारीख का आना बाकी है।

करण ने नए सीजन में कंटेंट को ताजा बनाए रखने के लिए छोटे सेगमेंट और फॉर्मेट में बदलाव के साथ एक नए सिंटेक्स का वादा किया है।

खबरों के अनुसार, इस साल के एपिसोड सिर्फ हिंदी सिनेमा के सुपरस्टारों तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इनमें दक्षिण भारतीय सिनेमा, ओटीटी प्लेटफॉर्म के टैलेंट और डिजिटल क्रिएटर्स जैसे मेहमान भी शामिल होंगे।

फूलगोभी खाने से मिल सकते हैं ये 5 स्वास्थ्यवर्धक लाभ

फूलगोभी भारतीय खाने का एक अहम हिस्सा है। इसका उपयोग कई तरह के व्यंजनों में होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सब्जी आपके स्वास्थ्य के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है? फूलगोभी में विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर को कई लाभ प्रदान कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे इस सब्जी को अपनी डाइट में शामिल करके स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है।

वजन घटाने में है सहायक

फूलगोभी में कम कैलोरी होती है और यह फाइबर का अच्छा स्रोत भी है, जिससे यह वजन घटाने में मदद कर सकती है।

इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारता है और लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप कम खाते हैं।

इसके अलावा इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की चर्बी को कम करने में भी मदद करते हैं। नियमित रूप से फूलगोभी का सेवन करने से आप अपने वजन को नियंत्रित रख सकते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

फूलगोभी में ऐसे तत्व होते हैं, जो दिल की बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व धमनियों में सूजन को कम करते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित रखते हैं।

इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे यौगिक होते हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। इस प्रकार फूलगोभी का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन को कर सकती है बेहतर

फूलगोभी में फाइबर की अधिकता होती है, जो पाचन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को दूर करके पाचन को स्वस्थ रखता है। इसके अलावा इसमें कुछ ऐसे गुण होते हैं, जो आंत के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे आंत का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

फूलगोभी का सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और आंत का स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

कैंसर के खतरे को कम करने में है सहायक

फूलगोभी में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो कैंसर के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये तत्व शरीर में मौजूद हानिकारक तत्वों को दूर करके कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं। इसके अलावा इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो हानिकारक तत्वों से लड़ते हैं और कोशिकाओं को सुरक्षित रखते हैं।

हालांकि, फूलगोभी कैंसर का इलाज नहीं है। कैंसर रोगी डॉक्टरी जांच और इलाज को प्रथामिकता दें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को कर सकती है मजबूत

फूलगोभी विटामिन-सी का अच्छा स्रोत होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद करता है। विटामिन-सी शरीर की सुरक्षा तंत्र को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं। इस प्रकार फूलगोभी का नियमित सेवन करने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत रहती है और आप बीमारियों से जल्दी बचाव कर सकते हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा की डेब्यू फिल्म का ऐलान

हॉरर- कॉमेडी से मचाएंगे धमाल

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा की फिल्मों में आगमन की चर्चा लंबे वक्त से रही है। आखिरकार उनकी डेब्यू फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसके निर्देशन की जिम्मेदारी साजिद खान ने उठाई है। यह एक हॉरर-कॉमेडी होगी जिसे हीरो की हॉररिन शीर्षक दिया गया है।

इसके निर्माण के लिए एकता कपूर और अमर बुटाला ने हाथ मिलाया है। जय हो मीडिया वेंचर्स प्रोडक्शन की यह फिल्म बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत की गई है।

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म की पुष्टि की है।

पोस्ट के मुताबिक, फिल्म में यशवर्धन के साथ लीड रोल में नितांशी गोयल नजर आएंगी, जिन्हें लापता लेडीज (2024) से लोकप्रियता हासिल हुई थी। उनके अलावा, फिल्म में सुनीता आहूजा, जेमी लिवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी हैं। यह पहला मौका होगा जब गोविंदा के बेटे और पत्नी, दोनों साथ में स्क्रीन साझा करते दिखेंगे। यशवर्धन की पहली फिल्म को अगले साल रिलीज करने की तैयारी है। यह 7 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने के लिए उतरेगी।

इस खबर ने उन लोगों को उत्साहित कर दिया है, जो यशवर्धन के डेब्यू का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उधर, गोविंदा भी अपनी कमबैक फिल्म रूपा को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं, जिसमें उनके साथ कोमल रानी स्वर्णकार मुख्य किरदार में नजर आएंगी। यह कोमल रानी की डेब्यू फिल्म होने वाली है।

सैफ पर हुए हमला मामले में आया अपडेट गिरफ्तार हुए शख्स ने जताई यह इच्छा

जनवरी 2025 में एक शख्स ने सैफ अली खान के घर में घुसकर चोरी करने की कोशिश की थी। इस दौरान उसने सैफ पर चाकू से हमला भी किया था। अब लगभग डेढ़ साल बाद इस मामले में नया अपडेट आया है। सैफ को चाकू मारने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी शख्स ने अपना अपराध स्वीकार करने की इच्छा जताई है। अदालत ने अब इस मामले पर अभियोजन पक्ष से जवाब मांगा है।

जुर्म कबूल करने की इच्छा जाहिर की

सैफ अली खान के साथ हुई इस घटना के दो दिन बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में उनके वकील विपुल दुशिंग ने बताया कि आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करने की इच्छा जताई है। आरोपी ने अदालत में एक आवेदन दायर किया है । इसमें अदालत से नरमी बरतने की गुहार लगाई गई।

अदालत ने अभियोजन पक्ष को अपना जवाब दाखिल करने को कहा। इस मामले की सुनवाई 11 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया। 11 सितंबर को कोर्ट इस मामले में पुन: विचार करेगी। इस महीने की शुरुआत में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी पी देशमुख ने अपराधी के खिलाफ आरोप तय किये थे।

16 जनवरी 2025 को आरोपी सैफ अली खान के बांद्रा स्थित उनके घर में बाथरूम के रास्ते घुसा था। इसके बाद उसने सैफ पर चाकू से हमला कर दिया। कई दिनों की पुलिस जांच के बाद आरोपी पकड़ा गया। उसका नाम शरीफुल फकीर था। वह सैफ के घर चोरी के इरादे से घुसा था। बाथरूम के रास्ते वह जेह के कमरे में घुसा। सैफ जब बेटे को बचाने कमरे में पहुंचे, तो शरीफुल ने उन पर चाकू से हमला कर दिया और वहां से भाग निकला। हालांकि, वह सीसीटीवी में कैद हो गया था।

सैफ अली खान को इस हादसे के बाद फौरन अस्पताल ले जाया गया। उनकी सर्जरी 5 घंटे चली थी। इसमें सैफ की कमर के तरफ से चाकू का टूटा हुआ टुकड़ा निकाला गया था। कुछ दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद सैफ घर वापस आ गए थे।

द ट्रेटर्स इंडिया 2 से बाहर हुईं रिया चक्रवर्ती, श्वेता तिवारी समेत ये खिलाड़ी भी निष्कासित

करण जौहर का रियलिटी शो द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 अपने फिनाले के करीब पहुंच गया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने शो के अगले 3 एपिसोड का प्रसारण कर दिया है, जिसमें कई चौंकाने वाले निष्कासन हुए। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम रिया चक्रवर्ती और श्वेता तिवारी का रहा, जो पहले दिन से इनोसेंट बनकर खेल रहे थे। अपने ही साथियों द्वारा शक के खेल में फंसकर बाहर हुईं रिया जाते-जाते बेहद भावुक हो गईं, जिसका वीडियो आया है।

दरअसल, सर्कल ऑफ शक में रिया खुद को बेकसूर साबित नहीं कर सकीं और निष्कासित हो गईं। शो से जाते हुए उन्होंने डेजा वू शब्द का इस्तेमाल किया और कहा, ये सब पहले भी हो चुका है। गुलाब लाल होते हैं, वायलेट नीले होते हैं। मैं अपने जीवन के दूसरे अध्याय में हूं। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? मैं निर्दोष हूं। हमेशा से रही हूं। हमेशा रहूंगी।

उन्होंने सबसे माफी मांगते हुए उम्मीद जताई कि वह सबकी अच्छी दोस्त बनी रहेंगी।

रिया ने डेजा वू इसलिए कहा क्योंकि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद, उनसे जुड़े ड्रग्स मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अभिनेत्री को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें क्लीन चिट मिल गई।

खैर, शो में अगला निष्कासन अभिनेत्री श्वेता और कंटेंट क्रिएटर अंश का देखने को मिला।

रैपर इक्का को टास्क न पूरा करने की वजह से बाहर किया गया, जबकि प्रतियोगियों ने मिलकर ट्रेटर शहनील गिल को पकड़ लिया और उनका खेल खत्म कर दिया।

खास-खबर

समान नागरिक संहिता पर चर्चा के लिए 8 व 9 सितंबर को बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य में समान नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोर्ट-यूसीसी) लागू करने तथा इसका प्रारूप तैयार करने के उद्देश्य से गठित उच्च स्तरीय समिति के तत्वावधान में दुर्ग संभाग के जिलों के लिए समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समिति के माननीय सदस्यों की उपस्थिति में यूसीसी के प्रावधानों और प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श हेतु दो दिवसीय बैठकों की समय-सारणी निर्धारित की गई है। इस कड़ी में पहली बैठक 08 सितंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे से लोक निर्माण विभाग दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित होगी, जिसमें दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के प्रतिभागी शामिल होंगे। वहीं दूसरी बैठक 09 सितंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे से जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में रखी गई है, जिसमें राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रतिनिधियों को उपस्थित होने सुचित किया गया है।

ताज दरबार में की परचम कुशाई, मांगी दुआएं

भिलाई। ताज दरबार सुपेला में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर परचम कुशाई करते हुए निशान पेश किया गया। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में अकीदतमंदों एवं जायरीनों ने शिरकत फरमाई। पुराने परचम को पूरे एहतराम के साथ नीचे उतारा गया और फिर दुगनी शानो शौकत के साथ नए परचम को आसमान में लहराया गया। इसी बीच काली कमली वाले आका के शान में नात शरीफ पढ़ी गई और सभी लोगों ने हुजूर मोहम्मद साहब के लिए सलाम भी पेश किया। बाद इसके हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया रहमतुल्लाह अलैह के आस्ताने पर चादरपोशी के साथ लोबान पेश की गई। आखिर में गुलामाने ताज हज्जन बदरूनिसा ताजी एवं गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी में सभी के हक में दुआएं मांगी और सभी की तरफ से शुकराना भी पेश किया। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर खीर में फ़ातिहाख्वानी की गई और लंगर तकसीम किया गया।

झेरिया यादव समाज ने सावन उत्सव मनाया

कोरबा। ग्राम खरमोरा के सामुदायिक भवन में झेरिया यादव समाज की ग्रामीण इकाई ने सावन महोत्सव मनाया। मुख्य अतिथि संगठन की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष सैलाना बीएल यादव ने आयोजन को सराहा। इसे सामाजिक एकजुटता के लिए अच्छी पहल बताई। महोत्सव में बच्चों की एकल और समूह नृत्य में प्रस्तुति को सराहना मिली। इनके बीच राधा-कृष्ण फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी हुई। महिलाओं ने कुर्सी दौड़, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कई मनोरंजक गेम्स में भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बनाया।

स्कूली विद्यार्थियों में उद्यमिता की सोच विकसित करने उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम

■ **आत्मनिर्भरता, नवाचार और उद्यमिता के अवसरों पर विद्यार्थियों को दिया मार्गदर्शन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वावलंबी भारत अभियान व यंग जनरेशन भारत द्वारा विद्यार्थियों में उद्यमिता की सोच विकसित करने एवं उन्हें भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

यह कार्यक्रम भिलाई शहर के विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है। स्वावलंबी भारत अभियान के सह समन्वयक व चेम्बर भिलाई इकाई के महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने, उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, नए व्यवसाय की संभावनाओं तथा नवाचार के विषय में मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान अजय भसीन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा केवल नौकरी पाने वाला नहीं, बल्कि नए रोजगार और नए अवसर पैदा करने वाला उद्यमी भी बन सकता है। विद्यार्थियों में यदि छोटी उम्र से ही नवाचार, समस्या समाधान और उद्यमिता की सोच विकसित की जाए तो वे भविष्य में अपने साथ-साथ समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि बदलते समय के साथ व्यापार और रोजगार के स्वरूप में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नवाचार युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आए हैं। आवश्यकता है कि विद्यार्थी इन अवसरों को पहचानें और अपनी प्रतिभा एवं रुचि के अनुसार भविष्य की तैयारी करें।

भिलाई चेम्बर के चेयरमैन दिनकर बसोतिया जी ने बताया उद्यमिता किसी भी देश के आर्थिक विकास, सामाजिक बदलाव और नवनिर्माण की रीढ़ है और युवा छात्र इस भाव को अपने मस्तिष्क में फीड कर ले तो यह प्रयास सार्थक होगा।उन्होंने कहा कि उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम आने वाले समय में शहर के अन्य विद्यालयों में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रम इंदु आईटी स्कूल तथा नेहरू उच्चतर माध्यमिक शाला, खुर्सीपार में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और उद्यमिता एवं नवाचार से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

दोनों विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों ने चेम्बर के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक जीवन, व्यवसाय, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता के विषय में मार्गदर्शन देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

एम्स में राष्ट्रीय खेल दिवस की पूर्व संध्या पर खेल की बात प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम का आयोजन

■ **खेलेगा इंडिया, खिलेगा इंडिया प्रधानमंत्री ने युवाओं से खेल और फिटनेस को अपनाने का किया आह्वान**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा आयोजित खेलो इंडिया संवाद खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम एम्स रायपुर के सभागार में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, खेल एवं फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाना तथा देश में सशक्त एवं समावेशी स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का संदेश खेलेगा इंडिया, खिलेगा इंडिया रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के वर्चुअल संबोधन से हुई। प्रधानमंत्री जी ने युवाओं को खेलों एवं फिटनेस से जुड़ने, अनुशासन और खेल भावना को जीवन में अपनाने तथा स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हॉकी के महान खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद के जीवन, उनके खेल के प्रति समर्पण और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री जी के संबोधन ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

राष्ट्रीय सत्र में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और अधिक से अधिक युवाओं को खेलों से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर, छत्तीसगढ़ के युवाओं की खेल प्रतिभा और ऊर्जा का उल्लेख किया। इस कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ भारत में खेलों की वर्तमान स्थिति, खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध अवसर तथा देश में खेलों के भविष्य पर संवाद किया और युवाओं से खेलों को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध वॉलीबॉल खिलाड़ी श्री अब्दुल्ला, सोशल एंटरप्रेन्योर प्रियंक पटेल, यूथ आइकॉन आदर्श मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और खेलों में सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण के महत्व पर प्रकाश डाला।

एम्स रायपुर के एमबीबीएस एवं बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए बृजमोहन अग्रवाल के साथ देश में खेलों के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य पर परिचर्चा की तथा अपने विचार एवं सुझाव साझा किए। देश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित प्रशिक्षकों, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहभागिता ने युवाओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। युवाओं से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, फिट और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।

महिला ठेका श्रमिकों हेतु नई चेतना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विभाग, मिल्स जोन-1 के तत्वावधान में महिला संविदा कर्मियों को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं श्रम कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने के उद्देश्य से 'नई चेतना' कार्यशाला का आयोजन 27 अगस्त 2026 को बार एंड रॉड मिल के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम) योगेश शास्त्री मुख्य अतिथि तथा महाप्रबंधक (बीआरएम) श्री आशीष विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम में कार्यरत 45 महिला संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, वैधानिक प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण (पॉश) अधिनियम से संबंधित प्रावधानों जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन मिल्स जोन-1) सुश्री प्रियंका मीना ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए 'नई चेतना' पहल की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला श्रमिकों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि जागरूकता के माध्यम से महिला कर्मियों को उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर लाभ लेने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए सक्षम बनाया जा सकता है।

मुख्य अतिथि योगेश शास्त्री ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए संयंत्र की कार्यप्रणाली में महिला संविदा कर्मियों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं परिवार एवं कार्यस्थल, दोनों जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करती हैं।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर तिल्दा-नेवरा रेलवे स्टेशन पर संरक्षा सेमिनार का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग तथा यांत्रिक विभाग के कर्मचारियों के साथ तिल्दा-नेवरा स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।

शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां तथा लोड/गाड़ियों का स्टेशन/यार्ड में सिक्योरिंग एवं रिलीजिंग करना, स्पैड से बचाव एवं पूर्ण ब्लॉक सेक्शन एवं ऑटोमैटिक ब्लॉक सेक्शन में ब्लॉक टिकट द्वारा ट्रेन की कार्य प्रणाली, गुड्स शेड एवं साइडिंग से लोड क्लियर के दौरान हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग,डोर हिटिंग, असामान्य लोड एवं तरपोलीन को लटकने से बचाव के लिए क्रू ,ट्रेन मैनेजर, स्टेशन कर्मचारी के द्वारा की जाने वाली जाँच, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा मौनसून के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन की जानकारी दी गई।

कीटनाशक के विरुद्ध जन जागरण, वर्कशॉप की भी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देशभर में आंशिक रूप से प्रतिबंधित खरपतवार नाशक ग्लाइफोसेट-बेस्ड हर्बिसाइड के विरुद्ध जनजागरण के लिए अखिल भारतीय स्तर की संस्था पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन-पुणे (पीएमए) ने छत्तीसगढ़ में अभियान शुरू किया है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इस कीटनाशक के दुष्प्रभाव से अवगत कराया जा रहा है।

'पीएमए' छत्तीसगढ़ क्षेत्र प्रमुख मुहम्मद मजहर नदीम ने बताया कि संस्थान के प्रेसीडेंट रोहित जाटव की मौजूदगी में होने वाली वर्कशॉप में समूचे छत्तीसगढ़ के सभी पेस्ट कंट्रोल के सेवा प्रदाताओं को आमंत्रित किया जा रहा है। जिससे जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव हो। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों और आम लोगों को ग्लाइफोसेट से जुड़े स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरों के प्रति सचेत करना तथा भारत सरकार के नियमों के अनुसार इसके नियंत्रित उपयोग के बारे में जागरूक करना है। मजहर नदीम ने बताया कि देश में ग्लाइफोसेट आधारित हर्बिसाइड पर आंशिक प्रतिबंध है और इसके इस्तेमाल पर कड़े प्रतिबंध और नियम लागू किए गए हैं। जिसमें केंद्र सरकार ने ग्लाइफोसेट की बिक्री, वितरण या उपयोग के लिए सिर्फ पंजीकृत पेस्ट कंट्रोल सेवा प्रदाताओं को अधिकृत किया है। आम किसान या आम व्यक्ति सीधे तौर पर इसे खरीदकर फसलों पर नहीं छिड़क सकते हैं। इसकी व्यापक चर्चा हो रही है। इस अध्ययन में पाया गया कि ग्लायसोफेट के इस्तेमाल वाली जमीन में केंचुओं की गतिविधि और मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा में बदलाव हो रहा है।

रेलवे ने शुरू की खाली प्रवाह दिशा योजना, खाली लौटने वाली गूड्स ट्रेनों में मिलेगा माल लदान का अवसर

■ **भारतीय रेलवे की नई पहल से माल ग्राहकों को रियायती माल भाड़े का लाभ**

■ **उत्पादों की लागत कम करने और नए बाजारों तक पहुंच बढ़ाने में मिलेगी मदद**

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा मालगाड़ियों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग करने तथा माल परिवहन को अधिक किफायती और सुगम बनाने के उद्देश्य से परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत उन दिशाओं में माल लदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जहां मालगाड़ियां माल उतारने के बाद सामान्यत: खाली लौटती हैं।

इस पहल से खाली लौटने वाली मालगाड़ियों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और ग्राहकों को रियायती माल भाड़े पर अपने उत्पादों को रेल के माध्यम से विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इससे भारतीय रेलवे को अतिरिक्त माल यातायात प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

परंपरागत खाली प्रवाह दिशा में माल लदान के लिए सरलीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना जो कि पहले से लागू है के संशोधित प्रावधान 01 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेंगे। अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल के लदान पर सामान्य माल भाड़े में 15 से 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट निर्धारित पात्रता एवं अन्य शर्तों के अनुसार लागू होगी।

क्या है परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना?

भारतीय रेलवे के कई मार्गों पर मालगाड़ियां एक दिशा में माल लेकर जाती हैं और माल उतारने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती हैं। योजना का उद्देश्य ऐसी खाली वापसी यात्रा में उपलब्ध क्षमता का उपयोग माल ढुलाई के लिए करना है। अर्थात, जिस दिशा में मालगाड़ी सामान्यत: खाली लौटती है, उस दिशा में पात्र माल लदान करने वाले ग्राहक को कम माल भाड़े का लाभ मिल सकता है।

ग्राहकों को स्वत: मिलेगा छूट का लाभ

योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाली पात्र माल खेप पर माल भाड़े में छूट रेलवे की व्यवस्था के माध्यम से स्वत: लागू होगी। इसके लिए ग्राहक को प्रत्येक पात्र खेप के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। छूट केवल रेलवे द्वारा निर्धारित एवं अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल पर लागू होगी। संबंधित दिशा, माल की पात्रता, छूट की दर तथा अन्य शर्तें निर्धारित रेलवे प्रावधानों के अनुसार होंगी।

उद्योग और व्यापार जगत को मिलेगा व्यापक लाभ

यह योजना उद्योगों, व्यापारियों और अन्य माल ग्राहकों के लिए अपने उत्पादों को कम लागत में दूर-दराज के क्षेत्रों और नए बाजारों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी। रियायती माल भाड़े के कारण माल ढुलाई की लागत कम होने से उत्पादों की कुल लागत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिसका लाभ आगे चलकर उपभोक्ताओं को भी मिल सकता है। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों को कम रखने तथा महंगाई को नियंत्रित करने में भी सकारात्मक योगदान की संभावना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा माल ग्राहकों को प्रोत्साहन

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भारतीय रेलवे की इस पहल के तहत वर्तमान एवं संभावित माल ग्राहकों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही, ऐसी दिशाओं में नए माल यातायात की संभावनाओं की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जहां मालगाड़ियां सामान्यत: खाली लौटती हैं। यह पहल खाली लौटने वाली मालगाड़ियों का बेहतर उपयोग, माल परिवहन की लागत में कमी, रेल संसाधनों का अधिकतम उपयोग, नए बाजारों तक उत्पादों की पहुंच तथा व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सरल शब्दों में, जो मालगाड़ी एक दिशा में माल पहुंचाने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती थी, उसी वापसी यात्रा में अब पात्र माल को रियायती दर पर ले जाने का अवसर मिलेगा।

क्रिकेट टीम के गठन के लिए चयन स्पर्धा

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2026-27 के लिए अंडर-19 (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भी भाग ले रही है। भिलाई इस्पात संयंत्र की क्रिकेट टीम के गठन हेतु 30 अगस्त 2026 को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रात: 9 बजे से चयन स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। अंडर-19 (बालक) वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी का जन्म 01 सितंबर 2008 के बाद होना आवश्यक है। अत: संयंत्रकर्मियों के पाल्य (बच्चे) तथा भिलाई परिधीय क्षेत्र के प्रतिभागी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि पर बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रात: 8:30 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सड़क निर्माण में लगे ट्रैक्टर टैंकर के पलटने से चालक की मौत

एमसीबी। मरवाही जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-45 पर एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क निर्माण कार्य में लगे एक ट्रैक्टर टैंकर के अनियंत्रित होकर जोगीसार गांव के पास बीच सड़क पर पलट जाने से चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसपास मौजूद राहगीरों ने चालक को बाहर निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। एनएच-45 पर सड़क निर्माण कार्य में लगा ट्रैक्टर टैंकर खोडरी चौकी के जोगीसार क्षेत्र में काम के सिलसिले में जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और ट्रैक्टर टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे खोडरी निवासी रोहित प्रजापति ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दब गए। सूचना मिलते ही खोडरी चौकी प्रभारी सनत मात्रे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकलवाया और आवश्यक कार्रवाई के लिए मॉर्चरी भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। हाईवे पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

संपत्ति विवाद में दादा की हत्या आरोपी हिरासत में

रायपुर। रायपुर में संपत्ति विवाद को लेकर दादा और पोते के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम तुलसी में 20 साल पोते ने अपने दादा पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल दादा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के करीब एक घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी पोते को हिरासत में ले लिया। मृतक की पहचान धनेश धीवर (45) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, धनेश का अपने पोते राहुल उर्फ खिलेंद्र धीवर (20) से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर राहुल ने धनेश पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मंदिर हसौद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

रायपुर में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार: ड्रग्स-मोबाइल और बाइक जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस ने हेरोइन यानी चिट्टा बेचने और तस्करी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 10.59 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसकी कीमत करीब 1 लाख 5 हजार 900 रुपए बताई गई है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपी की बाइक, स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन भी जब्त की है। जब्त किए गए सभी सामान की कुल कीमत करीब 1 लाख 50 हजार 900 रुपए बताई गई है। यह मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम घनश्याम कौशिक उर्फ गड्डू (39) बताया। वह टाटीबंध के मटिया तालाब, दुर्गा मंदिर के पास रहता है। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 10.59 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड के लिए कोर्ट में पेश करके आगे की कार्रवाई पुलिस कर रही है।

अधिकारी से पहचान बताकर नगर-सेना में नौकरी का झांसा: 15 किस्तों में लिए 6.30 लाख

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के चंदखुरी गांव में नगर सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर 6 लाख 30 हजार रुपए की ठगी की गई है। आरोपी ने महिला के पति को भरोसा दिलाया कि नगर सेना के अधिकारी से उसकी अच्छी पहचान है और वह नौकरी लगवा सकता है।

इसके बाद आरोपी ने एकमुश्त रकम लेने के बजाय 15 अलग-अलग किस्तों में कुल 6 लाख 30 हजार रुपए ले लिए। रकम लेने के बाद जब नौकरी नहीं लगी तो पीड़ित परिवार ने आरोपी से पैसे वापस मांगे। आरोप है कि आरोपी ने रकम लौटाने से इनकार कर दिया और गाली-गलौज भी की। मामले की शिकायत ग्राम चंदखुरी निवासी किरण चंद्राकर ने पुलगांव थाने में की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी इसरार खान (44), निवासी चंदखुरी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी

को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी इसरार खान की महिला के परिवार से पहले से जान-पहचान थी। इसी का फायदा उठाकर उसने नगर सेना के एक अधिकारी से अपनी पहचान होने की बात कही और नगर सेना में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया।

नौकरी की उम्मीद में महिला के पति ने आरोपी को रुपए देना शुरू किया। आरोपी ने 15 अलग-अलग किस्तों में कुल 6 लाख 30 हजार रुपए लिए। रकम लेने के बाद न तो नौकरी लगी और न ही आरोपी ने पैसे वापस किए।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी इसरार खान (44), निवासी चंदखुरी को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

थाने में पीने गया पानी, करंट से मौत वाटर कूलर में दौड़ रही थी बिजली

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना परिसर में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। थाने के बाहर लगे वाटर कूलर को छूते ही एक युवक करंट की चपेट में आ गया। करंट की चपेट में आने से वो बेहोश हो गया। युवक को बचाने पहुंचे पुलिस आरक्षक भी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। घायल आरक्षक और युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान रमेश ठाकुर (32) निवासी बिल्हा, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रमेश किसी काम से विधानसभा थाना आया था। इसी दौरान वह थाना परिसर के बाहर लगे वाटर कूलर के पास पानी पीने पहुंचा। जैसे ही उसने वाटर कूलर को छुआ, वह करंट की चपेट में आ गया और जमीन पर गिर पड़ा।

बचाने पहुंचे आरक्षक को भी लगा करंट

रमेश को करंट लगा देखकर आसपास मौजूद पुलिसकर्मी उसकी मदद के लिए दौड़े। इसी दौरान आरक्षक गुलाल वर्मा भी करंट की चपेट में आ गए और झुलस गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराई। रमेश को बचाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घायल आरक्षक गणेश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया।

हादसे के बाद थाना परिसर में कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस और विद्युत विभाग की जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

सीएसईबी की टीम ने शुरू की जांच

हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। वहीं सीएसईबी के अधिकारी और कर्मचारी भी थाना परिसर पहुंचे और वाटर कूलर समेत पूरे विद्युत कनेक्शन की जांच शुरू की। प्राथमिक तौर पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वाटर कूलर में करंट कैसे आया और विद्युत प्रवाह बाहर तक कैसे पहुंचा।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत चार युवक गंभीर, अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। कोरबा-बालको मुख्य मार्ग पर चेक पोस्ट के समीप शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

बताया जा रहा है कि एक बाइक पर तीन युवक सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर एक युवक था। एक बाइक पर सवार तीनों युवक बालको स्थित अमर होटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं, जो काम खत्म कर लौट रहे थे। इसी दौरान चेक पोस्ट के पास तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।

टक्कर के बाद चारों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना बालको पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बालको थाना पुलिस और नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों घायलों को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रवाना किया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार चारों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाना है। बालको मार्ग पर लगातार तेज रफ्तार के कारण हादसे हो रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बालको थाना पुलिस ने बताया कि घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। बयान के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं, हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें।

28 साल की महिला की हत्या: खून से सना मिला सीमेंट का टुकड़ा, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर जिले के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के ग्राम जुगेसर के उपरखार इलाके में गुरुवार सुबह एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 28 वर्षीय बसंती निषाद के रूप में हुई है। महिला के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। घटनास्थल पर खून से सना सीमेंट के टूटे पोल का टुकड़ा मिलने के बाद पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह गांव में महिला का शव पड़े होने की सूचना कोटवार विचार दास मानिकपुरी को मिली। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे और शव की पहचान बसंती निषाद, पति सागर निषाद, निवासी जुगेसर के रूप में

की। सूचना मिलते ही मंदिर हसौद पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई।

पुलिस के अनुसार महिला के सिर, आंख, नाक और चेहरे पर कई गंभीर चोटें थीं। शव के आसपास खून बिखरा हुआ था। पास ही सीमेंट का एक पोल टूटा पड़ा मिला, जिसके बड़े टुकड़े पर खून के निशान दिखाई दिए। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस को आशंका है कि इसी भारी टुकड़े से महिला पर हमला किया गया होगा।

पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के साथ शव का पंचनामा कराया। प्रारंभिक मर्ग जांच में चोट के कारण मौत की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया। एफआईआर के अनुसार वारदात 27 अगस्त की सुबह करीब सात बजे से पहले की है। फिलहाल हत्या की वजह सामने नहीं आई है और आरोपी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

पुलिस अब घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, आसपास की गतिविधियों और संभावित संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटा रही है। महिला की हत्या के पीछे व्यक्तिगत विवाद, पुरानी रंजिश या कोई अन्य कारण था, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ घटना की पूरी तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

रेत से भरे ट्रैक्टर ने 6 साल के मासूम को कुचला मौत के बाद ग्रामीणों ने लगाई वाहन को आग

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। धमतरी जिले के कुरूद क्षेत्र के नारी गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। रेत से भरे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 6 वर्षीय मासूम फणीश सोनी की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए।

जानकारी के मुताबिक, नारी गांव में रेत से भरा ट्रैक्टर गुजर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर की चपेट में फणीश आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि बच्चे ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया।

मासूम की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने रेत से लदे ट्रैक्टर में आग लगा दी। इतना ही नहीं, आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट भी की। मारपीट में चालक को गंभीर चोटें आई हैं। उसकी हालत को देखते हुए उपचार की व्यवस्था की गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लंबे समय से रेत से भरे भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है। कई वाहन तेज गति से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा

लगातार बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर पहले भी नाराजगी जताई गई थी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। मासूम की मौत के बाद लोगों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही कुरूद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि, गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस को भी कुछ समय तक घटनास्थल पर रोक दिया। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। फिलहाल पुलिस ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति सामान्य करने में जुटी है। करीब तीन घंटे से गांव में तनाव का माहौल बना हुआ बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के साथ ही आगजनी व मारपीट की घटना को लेकर भी कार्रवाई की जा रही है।

खेत की मेड़ पर शुरू हुआ विवाद पहुंचा हत्या तक भाला मारकर उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरबहारा गांव में खेत की मेड़ तोड़ने के मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। भाला से किए गए हमले में घायल ग्रामीण ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पाली थाना पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर कटघोरा उपजेल भेज दिया है, जबकि दूसरा आरोपी फरार है।

पुलिस के मुताबिक मृतक अजय कुमार रोहिदास निवासी खैरबहारा के घर के बगल में आरोपी भारत सिंह कंवर का खेत है। उसके ठीक नीचे अजय के पिता सत्यनारायण का भी खेत है। धान का रोपा लगाने के लिए भारत के खेत से पानी लेना था, जिसके लिए सत्यनारायण ने खेत की मेड़ तोड़ दी थी। इसी बात

को लेकर विवाद शुरू हुआ।

25 अगस्त की रात करीब 9 बजे भारत सिंह कंवर अपने साथी संजय कुमार कंवर के साथ अजय के घर के आंगन में पहुंचा। दोनों ने गाली-गलौज करते हुए मेड़ तोड़ने को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। अजय ने बताया कि वह दीपका में काम करने के बाद अभी घर लौटा है और उसे मेड़ तोड़ने की जानकारी नहीं है। इसके बावजूद दोनों आरोपी नहीं माने।

आरोप है कि भारत और संजय ने जान से मारने की धमकी देते हुए अजय के साथ हाथ-मुक्के से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान भारत सिंह कंवर ने अपने साथ लाए भाला से अजय के पेट और हाथ पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

परिजन घायल अजय को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया। मृतक की पत्नी जानकी बाई रोहिदास के बयान के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों भारत सिंह कंवर और संजय कुमार कंवर के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भारत सिंह कंवर को गिरफ्तार कर लिया है। न्यायालय में पेश कर कटघोरा उपजेल भेज दिया गया है। फरार दूसरे आरोपी संजय कंवर की तलाश जारी है।

कोरिया में 50 लाख की चोरी का खुलासा, कबाड़ी के पास पहुंचा माल, आरापियों को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। कोरिया जिले के पटना थाना क्षेत्र के पाण्डोपारा स्थित टीएमसी कंपनी के झिलमिली साइड स्टोर से लाखों रुपये के मशीन पार्ट्स चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। करीब 50 लाख रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर करीब 40 लाख रुपये के तांबा, पीतल और कांसा से बने मशीन पार्ट्स बरामद किए गए हैं। मामले में शामिल कुछ अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस जांच के मुताबिक चोरी की वारदात 21 और 22 अगस्त की रात को अंजाम दी गई थी। करीब 9 से 10 लोगों का समूह

स्टोर की छत की शीट हटाकर अंदर दाखिल हुआ। इसके बाद कोयला उत्खनन में इस्तेमाल होने वाली मशीनों के कीमती पार्ट्स लेकर फरार हो गया। घटना का पता चलने के बाद टीएमसी पाण्डोपारा परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर श्यामल मैती ने 24 अगस्त को पटना थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस और साइबर सेल की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर संदिग्धों तक पहुंच बनाई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी में शामिल होने की बात स्वीकार की।

पुलिस के अनुसार, चोरी के बाद सामान को कुछ समय के लिए बड़सरा जंगल में छिपाकर रखा गया था। बाद में चोरी का माल चरचा निवासी कबाड़ी अब्दुल वासिब उर्फ गोलू मियां को बेच दिया गया। कबाड़ी ने कुछ सामान अपने पास रखा, जबकि बाकी को दूसरे कबाड़ी के माध्यम से खपाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर करीब 40 लाख रुपये के मशीन पार्ट्स के अलावा तीन तलवार, टॉर्च, मोबाइल फोन और 1,500 रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान किशन कुमार, मंगलराम उर्फ गोलू, करन और अब्दुल वासिब उर्फगोलू मियां के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक इनमें से कुछ आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश के साथ चोरी के बाकी सामान की बरामदगी में जुटी है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

कोरबा। कोरबा के उरगा-भौंसमा ओवरब्रिज के पास शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं। ट्रेन से गिरने या ट्रेन की चपेट में आने की आशंका जताई जा रही है। घटना उरगा थाना क्षेत्र की है। शनिवार सुबह ग्रामीण खेत में काम करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े शव पर पड़ी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पहचान के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि वे इस हुलिए के व्यक्ति को पहचानते हैं या उसके संबंध में कोई जानकारी रखते हैं, तो उरगा थाना पुलिस को सूचना दें।

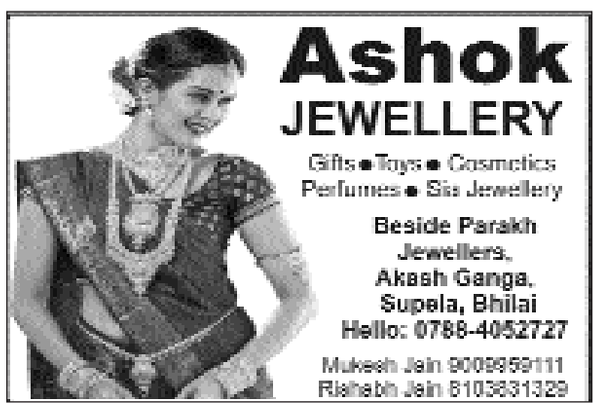

खास खबर

राज्यपाल डेका ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर बांधा रक्षासूत्र

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका एवं फर्स्ट लेडी श्रीमती रानी डेका काकोटी ने आज रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन एवं विधिवत पूजन-अर्चन कर रक्षासूत्र बांधा। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं शांति की कामना की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आपसी सौहार्द का पावन पर्व है, जो समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा एवं गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय भव्य जन्माष्टमी महोत्सव

रायपुर। इस्कॉन मंदिर टाटीबंध रायपुर में 3 से 5 सितंबर तक तीन दिवसीय जन्माष्टमी महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस बार महोत्सव नए मंदिर परिसर में होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंदिर अध्यक्ष एच.एच. सिद्धार्थ स्वामी, फेस्टिवल कमेटी के चेयरमैन राजेश अग्रवाल और वाइस चेयरमैन शुभम सिंघल की अध्यक्षता में बैठक हुई। कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं। इनमें वित्त, मीडिया, प्रसाद, दर्शन, पार्किंग, प्रशासन, टेंट, लाइट, फूल और मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी शामिल है। 3 सितंबर को सुबह 9 बजे भक्ति नृत्य समूह प्रतियोगिता के साथ होगी। भक्ति श्लोक वाचन, चित्रांकन, भजन और बाल भक्ति वेशभूषा प्रतियोगिताएं भी होंगी।

छत्तीसगढ़ में 13.85 लाख महिलाएं बनी लखपति दीदी

बहनों का स्नेह और आशीष मेरे लिए अनमोल : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री निवास में रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता, स्नेह और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं माताओं-बहनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री साय ने सभी बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि बहनों का यह स्नेह उनके लिए अनमोल है और उनका आशीर्वाद प्रदेश की सेवा के संकल्प को और मजबूत करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पावन पर्व है। बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखद और मंगलमय जीवन की कामना करती है, वहीं भाई अपनी बहन के सम्मान, सुरक्षा और सुख-दु:ख में सदैव साथ खड़े रहने का संकल्प लेता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे लिए यह बड़े सौभाग्य का दिन है कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से आप सभी बहनें रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार मनाने मुख्यमंत्री निवास आई हैं। आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद मुझे प्रदेश की माताओं-बहनों के कल्याण के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती सरला दुबे ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय कर्नल अशोक कुमार दुबे सेना में शामिल होने वाले छत्तीसगढ़ के पहले जवान थे। उनकी पत्रकारों, स्व-सहायता समूहों की दीदियों, लखपति दीदियों, ड्रोन दीदियों, ई-रिक्शा दीदियों, टीम प्रहरी, विभिन्न समाजों की महिलाओं और दिव्यांग बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षाबंधन के पर्व को देश और प्रदेश की सुरक्षा में समर्पित जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के भाव से जोड़ना अत्यंत सुखद अनुभव रहा। करते हैं। ऐसे वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करना हम सभी का दायित्व है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में उपस्थित महिला पत्रकारों का विशेष रूप से स्वागत करते हुए कहा कि पत्रकारिता साहस, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का कार्य है। हमारी महिला पत्रकार अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज को देश-दुनिया के घटनाक्रम से अवगत करा रही हैं। मुख्यमंत्री ने आत्मीय

पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलने से स्थानीय नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका और मजबूत हुई है। आज अनेक सरपंच दीदियां अपने नेतृत्व और नवाचार से गांवों के विकास को नई दिशा दे रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के लिए 25 अगस्त को ही महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में 631 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें 'लखपति दीदी' के रूप में सशक्त करने का संकल्प लिया है। छत्तीसगढ़ को 8 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिला था, जिससे आगे बढ़कर पिछले दो वर्षों में 13 लाख 85 हजार महिलाओं को लखपति दीदी बनाया है। महिलाएं ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक एवं दवा का छिड़काव कर वे अपनी आय बढ़ा रही हैं। 20 से 25 एकड़ में कार्य कर ड्रोन दीदियां प्रतिदिन 6 से 7 हजार रुपये तक कमा रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में बड़े पैमाने पर आवास निर्माण हो रहा है और प्रतिदिन लगभग 1600 आवास बनाए जा रहे हैं। इन आवासों के निर्माण में उपयोग होने वाली सेटरिंग प्लेट के व्यवसाय से स्व-सहायता समूहों की महिलाएं जुड़कर अच्छी आय

धर्मपत्नी श्रीमती दुबे से राखी बंधवाना उनके लिए विशेष रूप से भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है।

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सविता दीदी एवं स्मृति दीदी, श्रीमती सावित्री जायसवाल, पद्मश्री डॉ. उषा बारले, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती ममता साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन सहित महिला

उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की बहनों, दिव्यांग बहनों और शहीद जवानों के परिवारों की महिलाओं ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ और आईटीबीपी सहित विभिन्न सुरक्षा बलों के लगभग 1600 जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उनके प्रति अपना स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। हमारे जवान त्योहारों पर भी अपने परिवार से दूर रहकर देश और प्रदेश की सुरक्षा के दायित्व का निर्वहन

प्रसंग साझा करते हुए बताया कि दिल्ली प्रवास से लौटने के दौरान आज सुबह एयरपोर्ट पर पत्रकार बहन जिज्ञासा ने उन्हें राखी बांधकर अपना स्नेह व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व-सहायता समूहों की दीदियां, लखपति दीदियां, ड्रोन दीदियां, ई-रिक्शा दीदियां, सेटरिंग प्लेट दीदियां और मितानिन दीदियां अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

अर्जित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया रायपुर में 92 ई-रिक्शा दीदियां आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। जशपुर प्रवास के दौरान गांव बगिया में 50 बहनों को ई-रिक्शा प्रदान किए गए हैं। ई-रिक्शा बहनों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि सम्मानजनक आजीविका और आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रहा है।

चौगेल पुनर्वास केन्द्र : जिनसे कभी संघर्ष था, उन्हीं की कलाई पर आज बांधी राखी

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। कभी जंगलों में बंदूक के साथ आमने-सामने रहने वाले हाथ आज भाईचारे और विश्वास के धागे से जुड़ गए। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों ने जिला रिजर्व गार्ड डीआरजी के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

यह दृश्य संघर्ष से शांति, हिंसा से मुख्यधारा और हथियार से हुनर की ओर बढ़ते बदलाव की भावुक तस्वीर बन गया। आत्मसमर्पित माओवादी शांति कवाची ने बताया कि वह पहली बार रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने राखी बनाना सीखा और आज उन्हीं हाथों से तैयार की गई राखी पुलिस जवानों की कलाई पर बांधना उनके लिए खास और भावुक अनुभव है।

उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद अब ऐसा महसूस हो रहा है कि वे वास्तव में समाज की मुख्यधारा में लौट आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुनर्वास केंद्र में उन्हें सिलाई, काष्ठ शिल्प कला और राखी निर्माण सहित विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे सम्मानपूर्वक आजीविका चला सकें और एक सामान्य जीवन जी सकें। वहीं डी आर जी जवान टेकेश्वर हिचामी ने कहा कि पहले परिस्थितियां ऐसी थीं कि दोनों पक्ष बंदूक लेकर आमने-सामने रहते थे। आज वही हाथ राखी के पवित्र धागे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, आज उनकी बांधी राखी हमारी कलाई पर है, जो भाई की लंबी उम्र और सुख-शांति की कामना का प्रतीक है। यह अपने आप में एक अलग और भावुक अनुभव है।

रक्षाबंधन पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। राखी का यह पवित्र धागा केवल भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत नहीं करता, बल्कि परिवार में प्रेम, अपनत्व और आपसी विश्वास की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन का पर्व रिश्तों की गरिमा और भावनात्मक जुड़ाव को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने की सुंदर परंपरा है। श्री चौधरी ने कामना की कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व सभी के जीवन में ढेरों खुशियां, सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए। भाई-बहन के रिश्तों में प्रेम और विश्वास सदैव बना रहे।

अबूझमाड़ में बदला हवाओं का रुख

हिंसा छोड़ मुख्यधारा में लौटीं बहनों ने डीआरजी जवानों को बांधी राखी, दिया विश्वास का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र में बदलाव और शांति की एक नई बयार बहने लगी है। कभी बंदूक के साये और हिंसा के रास्ते पर चलने वाली, किंतु अब आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ चुकी महिला माओवादियों ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नारायणपुर पुलिस के डीआरजी परिसर में जवानों और पुलिस अधिकारियों की कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधकर इस पवित्र रिश्ते को नई मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया।

यह भावुक क्षण केवल रक्षाबंधन मनाने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसने बदलते बस्तर और सुरक्षा बलों तथा स्थानीय समाज के बीच बनते अटूट विश्वास का एक गहरा संदेश दिया। डीआरजी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान आत्मसमर्पित बहनों ने पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अक्षय साबद्रा, अजय कुमार, ऐश्वर्य चंद्राकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को राखी बांधकर अपने प्रति स्नेह, सम्मान और सुरक्षा के संकल्प को महसूस किया।

एक समय जो लोग भय और संघर्ष के माहौल में जीवन बिता रहे थे, वे आज पुलिस परिवार के साथ एक आत्मीय और पारिवारिक माहौल साझा करते नजर आए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार पटेल ने कहा कि रक्षाबंधन केवल प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा का संकल्प है। मुख्यधारा में लौटे लोगों को समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देना और उनके भीतर सुरक्षा की भावना को मजबूत करना पुलिस और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डीआरजी परिसर में बिखरी यह आत्मीयता इस बात की प्रत्यक्ष प्रमाण बनी कि बंदूक और हिंसा की राह से कहीं अधिक ताकतवर संवाद, विश्वास और अपनत्व की डोर होती है। नारायणपुर में मनाया गया यह पर्व इस उम्मीद को और मजबूती देता है कि अबूझमाड़ अब भय के दौर से निकलकर शांति, भाईचारे और विकास के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ

धमतरी के 93 पशुपालकों को मिली संजीवनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। धमतरी जिले में पशुपालन अब केवल जीवनयापन का सहायक जरिया नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित और मुनाफा देने वाले मुख्य व्यवसाय के रूप में उभर रहा है। पशुपालकों को समय पर आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए जिले में पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का प्रभावी ढंग से संचालन किया जा रहा है।

कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन और पशुधन विकास विभाग के निरंतर प्रयासों का ही परिणाम है कि अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच 93 पशुपालकों के कुल 98.62 लाख रूपए के ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं। इस पहल से पशुपालकों को अपनी दैनिक वित्तीय जरूरतों के लिए महंगे अनौपचारिक कर्ज पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है।

इस योजना की सफलता में बैंकिंग संस्थाओं का विशेष योगदान रहा है, जिसमें जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ने सबसे आगे बढ़कर 82 पशुपालकों को 83.92 लाख रूपए से अधिक का ऋण प्रदान किया।

इसके अलावा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक ने 5 पशुपालकों को 5.60 लाख रूपए, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 4 पशुपालकों को, यूको बैंक ने 1 हितग्राही को 2 लाख रूपए और भारतीय स्टेट बैंक ने 1 हितग्राही को 1.50 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया है। समय पर पूंजी उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालक अब पशुओं के लिए बेहतर दाना-पानी, जरूरी दवाइयां, टीकाकरण और चिकित्सा जैसी देखभाल बिना किसी आर्थिक तंगी के कर पा रहे हैं।

कलेक्टर ने योजना को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का मुख्य आधार बताते हुए मैदानी अमले को गांव-गांव जाकर हर पात्र हितग्राही तक पहुंचने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देशों पर अमल करते हुए पशुधन विकास विभाग की टीम ग्रामीणों से सीधे संपर्क कर उन्हें योजना की पात्रता, जरूरी दस्तावेजों और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दे रही है। ऋण सुविधा के साथ-साथ पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान, नस्ल सुधार और वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वित्तीय मदद और तकनीकी मार्गदर्शन के इस बेहतर समन्वय से जिले में दुग्ध उत्पादन और पशुपालकों की आय में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है, जिससे ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950